Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 222
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,12 मार्च 2026

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 मुफ्त राशन वितरण की जांच शुरू

4 विधायक राजेश्वर सिंह नेजन्मदिन पर युवाओं को

7 प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती को पब्लिक से

# उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर पर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं

## मुख्यमंत्री का अल्टीमेटम- होगी सख्त कार्रवाई

**लखनऊ (एजेंसी)।** मध्य पूर्व में तनाव के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की कमी की अफवाहों और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया की निगरानी करने और जमाखोरी रोकने के लिए गैस एजेंसियों व पेट्रोल पंपों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि उत्तर प्रदेश में तेल या गैस की कमी के बारे में अफवाहें फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य भर के सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी करते हुए उन्हें सतर्क रहने और गलत सूचनाओं के कारण जनता में दहशत न फैलने देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश देते हुए कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अफवाहें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार, भ्रामक जानकारी फैलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की निगरानी तेज कर दी गई है। सभी जिलों में पुलिस टीमों को पेट्रोल पंपों के आसपास कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है ताकि जमाखोरी और अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। साथ ही, जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को गैस एजेंसियों और दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। राज्य सरकार की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। इस संकट ने भारत की लगभग 30 प्रतिशत गैस आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसके चलते केंद्र सरकार को आपातकालीन उपाय करने पड़े हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि उपलब्ध गैस को गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से आवश्यक उपयोगकताओं की ओर मोड़ा जाए। भारत वर्तमान में अपनी दैनिक प्राकृतिक गैस की मांग (191 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन) का लगभग आधा हिस्सा आयात से पूरा करता है। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकरों की आवाजाही बाधित होने के कारण मध्य पूर्व से लगभग 60 मिलियन घन मीटर प्रतिदिन गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है।

## उत्तराखंड की विकास दर 7.23 प्रतिशत रहने का अनुमान

### 25 वर्षों में छह गुना बढ़े उद्योग

**भराड़ीसैंण(चमोली) (एजेंसी)।** उत्तराखंड की विकास दर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.23 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में प्राथमिक क्षेत्र कृषि, बागवानी व पशुपालन का 0.74 प्रतिशत योगदान है। यह खुलासा मंगलवार को विधानसभा पटल पर पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 की रिपोर्ट से हुआ है। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने रिपोर्ट को सदन पटल पर रखा। रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने वर्ष 2025-26 में विकास दर 7.23 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। हालांकि 2024-25 के अंतिम अनुमान में 6.44 प्रतिशत की बढ़ोतरी आंकी गई थी। प्रतिव्यक्ति आय 9.25 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 2.73 लाख से अधिक रहने का अनुमान है। राज्य गठन के बाद से प्रदेश के राजस्व संग्रहण में 51 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2025-26 में दिसंबर माह तक 9179.80 करोड़ का राजस्व संग्रहण किया गया। जबकि पेट्रोल, डीजल, एटीएफ, नेचुरल गैस व शराब से 1878.65 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र में तीन गुना की वृद्धि हुई है। राज्य में सड़क कनेक्टिविटी बढ़ी है। 2000 में कुल 15470 किमी सड़क थी, जो 43765 किमी हो गई है। 25 वर्षों में छह गुना बढ़े उद्योग उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र तेजी से उभरा है। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की संख्या 94595 पहुंच गई है। राज्य गठन के बाद से उद्योगों की संख्या में छह गुना व पूंजी निवेश में 25 गुना की बढ़ोतरी हुई है। एमएसएमई क्षेत्र में 17743 करोड़ का निवेश व 4.63 लाख लोगों को रोजगार मिला है। प्रदेश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 210 हो गई है।

## छत्तीसगढ़ में 108 नक्सलियों का आत्मसमर्पण: सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की लड़ाई में बुधवार को छत्तीसगढ़ में बड़ी सफलता मिली जब 108 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इन सभी नक्सलियों पर कुल मिलाकर 3.95 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। बीजापुर से 37, दंतेवाड़ा से 30, सुकमा से 18, बस्तर से 16, नारायणपुर से चार और कांकेर से तीन माओवादियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष अपने हथियार डाल दिए। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में छह मंडल कमांडर भी शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक पर आठ लाख रुपये का इनाम रखा गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा निर्धारित की है।

## मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का आज नोटिस दे सकता है विपक्ष

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ विपक्ष गुरुवार को महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दे सकता है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि महाभियोग प्रस्ताव को लेकर विपक्ष नोटिस दे सकता है। विपक्ष लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में नोटिस देगा। सूत्रों के मुताबिक, अब तक लोकसभा करीब 120 और राज्यसभा में 60 सांसदों ने नोटिस की कॉपी पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां इसपर एकमत हैं। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा अध्यक्ष को हटाने वाले प्रस्ताव पर चर्चा के बाद विपक्ष सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दे सकता है। वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विपक्ष के निशाने पर हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के विरोध में सबसे बड़ा मोर्चा खोला था। टीएमसी का आरोप है कि बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की आड़ में बड़ी संख्या में वोटरों के नाम काटे जा रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उन्होंने बिहार चुनाव में एसआईआर को लेकर वोट चोरी का अभियान छेड़ा था।

## केजरीवाल-सिसोदिया ने आबकारी नीति केस में जज बदलने की मांग की, HC के मुख्य न्यायाधीश को पत्र

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने आबकारी नीति से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश को बदलने का अनुरोध किया है। पार्टी ने स्वयं इस घटनाक्रम की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा की है। न्याय प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने की जरूरत यह मामला दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़ा हुआ है, जिस पर कई गंभीर आरोप लगे हैं। केजरीवाल और सिसोदिया दोनों इस मामले में आरोपी हैं। उन्होंने अपने पत्र में मामले की निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने की बात कही है। पत्र में वर्तमान न्यायाधीश द्वारा सुनवाई जारी रखने पर कुछ आपत्तियां उठाई गई हैं। हालांकि, उन आपत्तियों का विस्तृत विवरण अभी सामने नहीं आया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पास ऐसे अनुरोधों पर विचार करने का अधिकार होता है। यह कदम मामले की न्यायिक प्रक्रिया में एक नया मोड़ लेकर आया है। पार्टी का कहना है कि यह न्याय की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक है। दोनों की हुई थी गिरफ्तारी दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इस नीति में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसियों ने जांच शुरू की थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। अरविंद केजरीवाल को भी इस मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। यह मामला दिल्ली की राजनीति में काफी समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। आइए जानते हैं दिल्ली की नई शराब नीति क्या थी? 17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और हर जोन में ज्यादा से ज्यादा 27 दुकानें खुलनी थीं।

## पीएम मोदी का केरल को बड़ा तोहफा

# 10,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

**कोच्चि (एजेंसी):** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल की अपनी यात्रा के दौरान 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का बुधवार को उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस तटीय शहर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और रेल मंत्रालय सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की परियोजनाओं की शुरूआत की। पीएम मोदी ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक लागत की एक पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखी, दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया (जिनमें से प्रत्येक की लागत 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है) और रेल क्षेत्र में की गई 142 करोड़ रुपये की पहल राष्ट्र को समर्पित की। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में संपर्क सुविधा बेहतर बनाने और टिकाऊ परिवहन को मजबूत करने के उद्देश्य से एक नयी रेल सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित तीन रेलवे स्टेशन - षोरणूर जंक्शन, कुट्टिपुरम रेलवे स्टेशन और चंगनाशेरी रेलवे स्टेशन - का भी उद्घाटन किया। करीब 52 करोड़ रुपये की कुल लागत से इन स्टेशनों को विकसित करते हुए इनका आधुनिकीकरण किया गया है। अपने भाषण की शुरूआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के लिए पेट्रोलियम क्षेत्र का विस्तार बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखने के पीछे यही सोच है। पीएम मोदी ने कहा कि यह इकाई लगभग चार लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन करेगी और पैकेजिंग, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण और कई अन्य उद्योगों के लिए लाभदायक साबित होगी।

## देश में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दी इच्छामृत्यु की इजाजत

### 12 साल से कोमा में हैं गाजियाबाद के हरीश राणा

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने 12 साल से बिस्तर पर पड़े युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु की इजाजत दे दी है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने ये फैसला दिया है। कोर्ट ने एम्स से राणा की रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स ने कहा था कि राणा के ठीक होने की उम्मीद नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने राणा के पैसिव यूथेनेशिया की इजाजत दे दी है। हरीश के माता-पिता अपने बेटे की इच्छामृत्यु का केस सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया था। हरीश पिछले 13 साल से बिस्तर पर अचेत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले करीब 13 साल से अचेत

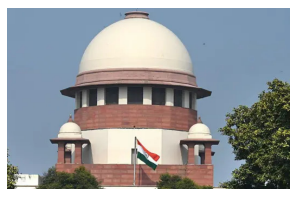

अवस्था में बिस्तर पर पड़े गाजियाबाद के हरीश राणा को पैसिव युथनेसिया (इच्छा मृत्यु) देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उनके घरवालों से बात भी की थी। 100 फीसदी दिव्यांगता के शिकार हो चुके बेटे के ठीक होने की उम्मीद छोड़ चुके हरीश के माता-पिता ने ही उसे इच्छा मृत्य देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को लेकर दिल्ली के एम्स से भी रिपोर्ट मांगी थी। इस रिपोर्ट में एम्स ने कहा था कि हरीश कभी ठीक नहीं हो सकता है। तब जस्टिस जे बी पारदीवाला ने कहा था कि ये बेहद दुखद रिपोर्ट है। उन्होंने कहा था कि यह हमारे लिए मुश्किल फैसला है और हम इस लड़के को यूं अपार दुख में नहीं रख सकते हैं। कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था हम उस स्टेज पर हैं जहां हमें आखिरी फैसला करना होगा। गौरतलब है कि चंडीगढ़ में रहकर पढ़ाई कर रहे हरीश 2013 में अपने हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए थे। इससे उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। उसके बाद से हरीश लगातार बिस्तर पर अचेत हालत में है। लगातार बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके शरीर में घाव हो गए थे।

## जब भी हम बोलने खड़े होते हैं, स्पीकर हमें रोक देते हैं :राहुल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद में जोरदार हंगामे के बीच बुधवार सुबह लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने एलपीजी किल्लत, आर्थिक मुद्दों और अन्य विषयों पर सरकार को घेरते हुए नारेबाजी की, जिसके चलते स्पीकर की कुर्सी को कार्यवाही रोकनी पड़ी। सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा जारी है। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चर्चा में हिस्सा लेंगे। इससे पहले मंगलवार को दोनों ओर से आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी रहा। विपक्ष ने जहां ओम बिरला पर सरकार की आवाज बनने जैसे गंभीर

आरोप लगा दिए, वहीं दूसरी तरफ सरकार ने कहा है कि ओम बिरला ने कभी पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं किया। हंगामे के बाद दोनों सदनों की कार्रवाई बुधवार तक के लिए स्थापित कर दी गई थी। लोकसभा में चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष द्वारा बार बार अपना नाम लिए जाने पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भड़क उठे। उन्होंने कहा है कि देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब नेता प्रतिपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया और बार बार मेरा नाम लिया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे बार-बार स्पीकर ने बोलने से रोका। ये सदन पूरे देश का है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम कॉम्प्रोमाइज हो चुके हैं। इस मामले पर रविशंकर प्रसाद बोलने खड़े हुए और उन्होंने कहा कि देश ने कभी समझौता स्वीकार नहीं किया।

## मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की कवायद, विपक्ष ने संसद में प्रस्ताव लाने को जुटाए हस्ताक्षर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए सांसदों के हस्ताक्षर जुटा लिए गए हैं और नोटिस गुरुवार या शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, अब तक लोकसभा के लिए करीब 120 सांसदों और राज्यसभा के लिए करीब 60 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

## तरणजीत सिंह संधू बने दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व राजनयिक और भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के वरिष्ठ अधिकारी रहे तरणजीत सिंह संधू ने बुधवार को दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। यह शपथ ग्रहण समारोह दिल्ली के लोक निवास में आयोजित किया गया, जहां दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उन्हें शपथ दिलाई। समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। संधू ने इस पद पर विनय कुमार सक्सेना का स्थान लिया है। सक्सेना को

हाल ही में लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ ग्रहण के बाद तरनजीत सिंह संधू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच शासन, लोक सेवा और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। संधू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात करना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में आपसी हितों से जुड़े विषयों और लोक सेवा तथा शासन से संबंधित मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। नई जिम्मेदारी संभालने के बाद संधू ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को दुनिया की अन्य प्रमुख राजधानियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होना चाहिए।

# पश्चिम एशिया की स्थिति और रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो: खरगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, श्श्मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे में पूवार्नुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और

आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि रेस्तरां और छोटे भोजनालय बंद हो रहे हैं तथा जमाखोरी और कालाबाजारी फैल रही है। उनका कहना है, नोटबंदी के समय हमें बताया गया कि 50 दिनों में नकदी की कमी खत्म हो जाएगी... कोविड महामारी के समय हमें बताया गया कि यह कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है, पश्चिम एशिया युद्ध के समय अब हमें बताया गया है कि भारत के पास 74 दिनों का तेल और ऊर्जा भंडार है। स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश को सच जानने का हक है। खरगे ने कहा, हम इस संकट पर संसद में पूरी चर्चा की मांग करते हैं और प्रधानमंत्री को देश को जवाब देना चाहिए।श्श कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि देश में रसोई गैस की कथित किल्लत मोदी सरकार की नीतियों का नतीजा है।

# समारोह को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

**गोरखपुर,:** महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की उपस्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के परिप्रेक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन 11 मार्च,2026 को रेलवे प्रेक्षागृह,गोरखपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उनके साथ महिला कल्याण संगठन की सदस्यायें उपस्थित थीं। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण सप्ताह के अन्तर्गत रेलवे अधिकारी क्लब,गोरखपर में आयोजित ह्यफूड विदाउट फायरह्व प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 की अधिकारिक थीम गीव टू गेन पर आधारित रहा। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों ने मनोहरी समूह नृत्य-गणेश वन्दना, एकल गीत, एकल नृत्य तथा समूह शास्त्रीय गीत प्रस्तुत किया। समारोह को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि महिला रेलकर्मियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित महिला वक्ताओं ने बहुत सारी अच्छी बातें कीं। उन्होंने कहा कि लखनऊ निरीक्षण के दौरान महिला दिवस पर महिला रेलकर्मियों से कार्यस्थल को और अच्छा बनाने तथा रेल को और अच्छे ढंग से चलाने पर सार्थक चर्चा हुई। देश की महामहिम राष्ट्रपति महिला ही हैं, जो कि अपने परिश्रम से राष्ट्रपति बनी हैं। पूरे विश्व के लिये हमारे देश का यही संदेश है कि हमारे देश की राष्ट्रपति महिला हैं तथा हमारे देश में प्रत्येक दिवस महिला दिवस है। पूर्वोत्तर रेलवे पर महिलायें हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। हम मुख्यालय एवं मंडलों में कार्यस्थलों को महिलाओं के लिये और खुशनुमा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। चूँकि महिलायें हर क्षेत्रों में पुरूषों की तुलना में अच्छा कार्य कर ही हैं। हमें अब महिलाओं की तरफ सहानुभूति की दृष्टि से नही अपितु सम्मान की दृष्टि से देखना चाहिये। महिलायें कार्यस्थल एवं घर पर बहुत अच्छा कार्य कर रहीं हैं। उन्हें चाहिये कि वे जागरूक रहें और अपने घरों के बच्चों एवं पुरूषों को व्यसन से रोकें। महाप्रबन्धक ने कहा कि हमारे यहाँ पर्याप्त खुली जमीनें हैं, जिसमें हम पर्यावरण के लिये बहुत कुछ कर सकते हैं। पर्यावरण के लिये सभी महिलायें एकजुट हों और पूरे वर्ष भर पर्यावरण के क्षेत्र में अच्छा कार्य करें। पर्यावरण संरक्षण का कार्य हमें मिशन मोड में करना होगा। पर्यावरण को बचाने को हम सभी को पूरा प्रयास करना चाहिये । प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने सभी का स्वागत करते हुये कहा कि आज हम केवल एक उत्सव नहीं मना रहें है बल्कि उस अदम्य साहस, ममता और शक्ति का सम्मान कर रहे हैं, जो हर महिला के भीतर बसी है। आज की महिलायें समाज की वह शक्ति हैं जो परिवार व देश दोनों को मजबूत बनाती हैं। 08 मार्च,2026 को रेलवे स्टेडियम,गोरखपुर में ह्यवाक शक्तिह्व का आयोजन किया गया, जिसमें महिला खिलाड़ी एवं महिला कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

## जामताड़ा में ट्रेनिंग, 64 किमी दूर बंगाल ठिकाना, चचेरे भाइयों ने की 50 लाख की ठगी

**वाराणसी।** एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किया गया और एक्सेस कंट्रोल में लेकर 8.38 लाख रुपये की ठगी की गई थी। एक जनवरी को भुक्तभोगी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए पुलिस ने ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसने झारखंड के जामताड़ा में ट्रेनिंग लेकर 64 किमी दूर पश्चिम बंगाल के अंडाल में अपना ठिकाना बना लिया था। गिरोह ने एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक करने की तकनीक से वाराणसी के रामनगर निवासी ईंट कारोबारी अनूप गुप्ता से 8.38 लाख रुपये की ठगी की थी। सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर पुलिस ने दो साइबर ठगों को पश्चिम बंगाल के अंडाल से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान नागेश्वर मंडल और अक्षय मंडल निवासी अंडाल, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई। दोनों चचेरे भाई हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों ने पांच साल के अंदर 50 लाख रुपये की साइबर ठगी की। दोनों साइबर अपराधियों के निशाने पर लगभग 100 लोग थे। दोनों टेलीग्राम बॉट से मेसेज भेजते थे। आरोपियों ने स्वीकार किया कि रामनगर के मछरहट्टा निवासी ईंट कारोबारी अनूप गुप्ता को निशाना बनाया गया था। ठगी की रकम से 25 लाख में खरीदा मकान जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य पहले झारखंड के जामताड़ा में साइबर ठगी की ट्रेनिंग ले चुके थे। वहां उनके खिलाफ पहले से प्राथमिकी दर्ज होने के कारण उन्होंने जामताड़ा, झारखंड छोड़ दिया और जामताड़ा से करीब 64 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल के अंडाल को ठिकाना बना लिया।

## 12 साल का साथ और मासूम बच्चों की ममता बेअसर, ममेरे भाई के प्यार में महिला ने पति को छोड़ा

**कानपुर।** बिधनू की दो बच्चों की मां ममेरे भाई के साथ रहने के लिए महाराजपुर के बंबुरिहा गांव पहुंची। थाने में पंचायत के बावजूद महिला ने पति के साथ लौटने से इनकार कर दिया। कानपुर में बिधनू निवासी दो बच्चों की मां पति को छोड़ ममेरे भाई संग रहने पर अड़ गई। महाराजपुर थाने में एक घंटे चली पंचायत के बाद भी वह पति संग लौटने को तैयार नहीं है। बिधनू थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पति ने पुलिस को बताया कि 12 वर्ष पहले शादी हुई थी। उनके दो बेटे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उसकी पत्नी बच्चों को छोड़कर अपने ममेरे भाई संग रहने महाराजपुर थाना क्षेत्र के बंबुरिहा गांव चली गई है। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया, जहां करीब एक घंटे तक पंचायत चलती रही। महिला अपने पति के साथ जाने को तैयार नहीं हुई। मायके पक्ष और उनके भाई ने बच्चों की दुहाई दी। फिर भी ससुराल जाने को तैयार नहीं है। महाराजपुर इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

## धरमपुर में 1.4 हेक्टेयर में बनेगा मिनी स्टेडियम, खिलाड़ियों को अभ्यास में मिलेगी सहूलियत

बस्ती। जिले के परशुरामपुर ब्लॉक के धरमपुर में करीब 10 करोड़ की लागत से एक आधुनिक स्टेडियम बनने जा रहा है, जिससे स्थानीय ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रैक्टिस में आसानी होगी और बेहतर प्रशिक्षण मिल सकेगा। इससे ग्रामीण खिलाड़ियों को खेल में बेहतर प्रदर्शन कर क्षितिज पर पहुंचने का मौका मिलेगा। ग्रामीण खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने व उनको बेहतर मंच देने के लिए युवा कल्याण विभाग ने खेलो इंडिया योजना के तहत ग्रामीण मिनी स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। विभाग के अनुसार, विभाग की ओर से 1.4 हेक्टेयर भूमि का चयन कर लिया गया है। नामित एजेंसी यूपी आरएनएसएस ने करीब 10 करोड़ रुपये का आगणन तैयार किया है। मंजूरी के लिए शासन को फाइल भेज दी गई है, अब वहां से हरी झंडी मिलने के बाद निर्माण शुरू हो जाएगा। बताया गया कि स्टेडियम का निर्माण आधुनिक मानकों पर किया जाएगा। इसमें एथलेटिक ट्रैक, फुटबॉल और क्रिकेट मैदान, दर्शक दीर्घा, ड्रेसिंग रूम, फिटनेस जोन, जिम, पानी व शौचालय की व्यवस्था और प्रशासनिक भवन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस स्टेडियम के बनने से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। अभी तक क्षेत्र में इस तरह का कोई स्टेडियम नहीं था। इसकी वजह से कई प्रतिभावान खिलाड़ी अभ्यास और प्रतियोगिताओं के अवसरों से वंचित रह जाते हैं। दो और गांवों में मिनी स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव युवा कल्याण विभाग ने भानपुर के जोगिया और कुदरहा के विशेनपुर गांव में भी मिनी स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था।

# कॉमर्शियल गैस पर 'ब्रेक' से बंदी का डर, होटल-रेस्टोरेंट ऑर्डर कर रहे डीजल-कोयला भट्ठी

**कानपुर।** कॉमर्शियल गैस पर रोक से कानपुर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग में हड़कंप मचा है। 50 करोड़ रुपये के दैनिक कारोबार को बचाने के लिए व्यापारी अब असुरक्षित डीजल भट्ठियों का सहारा ले रहे हैं। सरकार की ओर से कॉमर्शियल सिलिंडरों पर रोक लगाए जाने के बाद होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई और गेस्ट हाउस संचालकों में खलबली मच गई है। सहालगी सीजन और ईद को देखते हुए मंगलवार को कारोबारी दिन भर गैस के अन्य विकल्पों पर तैयारी करते रहे। डीजल भट्ठी, कोयले की भट्ठी आदि तैयार करवाने में लगे रहे। शहर में प्रतिदिन 50 करोड़ का खानपान का व्यापार है। कारोबारियों का कहना है कि ज्यादा संकट बढ़ा तो मिठाई, रेस्टोरेंट, होटल और ढाबों बंदी में हो सकती है। मुंबई और बंगलूरू में होटल बंद किए जा चुके हैं। शहर भर में पांच हजार से ज्यादा रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानें हैं। 200 होटल और 1500 गेस्ट हाउस भी संचालित होते हैं। सरकार के नए फरमान से होटल, रेस्टोरेंट संचालक परेशान हो गए हैं। उनका कहना है कि मौजूदा समय में सभी बड़े होटलों, रेस्टारेंटों में आधुनिक किचन बने हुए हैं। नई व्यवस्था में कोयले की भट्ठी, ओवन आदि का इस्तेमाल करना पड़ेगा। सहालगी सीजन में इतनी बड़ी आफत आ गई है। ज्यादातर में आधुनिक किचन बन चुके हैं कानपुर होटल, गेस्ट हाउस, स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के महामंत्री राजकुमार भगतानी ने बताया कि 19 मार्च से नवरात्र हैं और शादी समारोह शुरू हो जाएंगे। मार्च में ही शहर में बंपर शादियां हैं। अप्रैल और मई में तगड़ी सहालग है। अप्रैल में ही अक्षय तृतीया पड़ेगी। इस दिन हजारों की संख्या में शादियां होती हैं। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा समस्या बड़े होटलों और रेस्टोरेंटों में आएगी। ज्यादातर में आधुनिक किचन बन चुके हैं। सरकार ने अचानक फैसला लिया। इसका बहुत अधिक भंडारण भी नहीं किया गया था। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है कि गैस का विकल्प क्या लेकर आएं। इमरती, जलेबी बनाने में गैस सबसे अच्छा विकल्प है। डीजल भट्ठी में इसे बनाना जोखिम भरा हो सकता है। मिठाई, नमकीन कारोबारियों के सामने बड़ा संकट हो गया है। -दीपक सिंघवानी, मिठाई कारोबारी सरकार की ओर से कॉमर्शियल सिलिंडरों पर रोक लगा दी गई है। आगे कैसे काम चलेगा। अब यही सवाल सामने खड़ा हो गया है। कोयला, डीजल और इलेक्ट्रिक भट्ठी बनवाने के ऑर्डर दिए हैं। -मयंक गुप्ता, मिठाई कारोबारी हमारी मजबूत सरकार है लेकिन ऐसे फैसले की उम्मीद हम सरकार से नहीं करते हैं। कम से कम हमें दो सप्ताह का समय तो देना चाहिए था जिससे हम अपनी कोई व्यवस्था कर पाते। न तो हमारे पास कोयला है और न ही बिजली। ऐसे में हम होटल और रेस्टोरेंट संचालक कहां जाएं जबकि सबसे ज्यादा राजस्व देने वाली हमारी इंडस्ट्री है। सरकार से मांग है कि इस फैसले को वापस लेकर हमें कुछ दिनों का समय दें।

# कोहरा चुभन वाली धूप, उमस और ठंड, 2008 में भी हुआ एक बार ऐसा

**वाराणसी।** वाराणसी के इस दृश्य को मौसम वैज्ञानिक ने दुर्लभ बताया है। इसके साथ ही यहां का वेंटिलेशन भी काफी कम हुआ है। सलाह दिया है कि कोहरे और धुंध के संबंध में मौसम संबंधी स्पष्टीकरण का पालन करें। बनारस का मौसम पहेली बना हुआ है। एक ही दिन में तीन से चार ऋतुओं जैसा दर्शन काशीवासियों और मौसम के जानकारों को भी हैरान कर रखा है। सुबह में धुंधझकोहरा, दोपहर में चुभने वाली धूप, शाम को उमस भरी गर्मी और रात में कुछ देर की ठंडक पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों की सलाह है कि कोहरे और धुंध के संबंध में मौसम संबंधी स्पष्टीकरण का पालन करें। मार्च में ऐसा होना दुर्लभ है, लेकिन अनुकूल परिस्थितियों में असंभव नहीं है, जैसा कि 2008 में भी देखा गया था। दूसरी ओर मंगलवार को बनारस में रात के तापमान ने पांच साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। न्यूनतम पारा सामान्य से रिकॉर्ड स्तर पर 9.3 डिग्री ऊपर 24.6 डिग्री तक चला गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री ऊपर 32.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे पहले रात का इतना ज्यादा तापमान मार्च 2021 में गया था। वहीं, पिछले तीन से चार दिनों में बनारस के प्रदूषण यानी कि एयर क्वालिटी इंडेक्स 44 अंक तक बढ़कर 104 अंक पर पहुंच गया है। काशी की हवा 40 दिन के बाद यलो जोन में आ गई है। इसके पीछे वजह बनारस के पर्यावरण में वेंटिलेशन की कमी है। हवा की नमी बढ़कर 88 फीसदी पर पहुंच गई है। एंटी साइक्लोन जैसी स्थिति यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पछुआ बंद हुई है और वेंटिलेशन घटा है। इससे गर्मी रात में बाहर नहीं निकल पा रही है और रात का पारा तेजी से चढ़ा है। निचले क्षोभमंडल यानी कि 6 से 8 किमी ऊपर पूर्वी भारत के दक्षिणी झारखंड के आसपास एंटी साइक्लोन जैसी स्थिति बनी है। यह स्थिति मौसम को साफ करती है। धूप तेज हो रही है, लेकिन गर्म हवा नीचे आ रही है। साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैली द्रोणी लो प्रेशर के प्रभाव से प्रदेश के निचले क्षोभमंडल में आ रही नम पुरवा हवाओं ने गर्मी बढ़ा दी है। पछुआ बंद हो चुकी है, जो कि गर्म हवा को हटाकर ठंडी हवाओं को लाती थी। धुंध के पीछे वजह नमी का बढ़ना डॉ. सिंह ने बताया कि धुंध के पीछे नमी भी मुख्य वजह है। आगामी 4झ5 दिनों के दौरान प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। मौसम मुख्यतः सूखा बना रह सकता है। फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा और उसके प्रभाव से 15 मार्च से पूर्वांचल के कुछ भागों में इस सीजन में पहली बार बारिश की उम्मीद है। इससे तापमान में गिरावट भी आ सकती है। बनारस की सबसे खराब हवा बीएचयू में बनारस का एक्यूआई 104 अंक दर्ज किया गया। सबसे खराब हवा बीएचयू की रही, जहां एक्यूआई 143 अंक रहा। 124 अंक के साथ दूसरी सबसे प्रदूषित हवा अर्दली बाजार में, मलदहिया में 81 अंक और भेलूपुर में 68 अंक तक एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

# बंद कमरे से आई भीषण सड़ांध फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का सड़ा शव

**कानपुर।** गुजैनी के वरुण विहार में नवविवाहिता का तीन दिन पुराना शव फंदे पर लटका मिला है। मायके पक्ष ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है पुलिस पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कानपुर में गुजैनी थानाक्षेत्र के वरुण विहार में सोमवार शाम नवविवाहिता नीलम साहू (28) का सड़ा शव फंदे पर लटका मिला। पति की फोन कॉल न उठने पर पड़ोसी को भेजा गया, जिसने घर से बदबू आने की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। परिजन ने पति पर घरेलू कलह में हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। बर्रा विश्व बैंक एच ब्लॉक निवासी शुभम साहू ने बताया कि बहन नीलम ने 22 फरवरी 2025 को वरुण विहार निवासी अकाउंटेंट विनय राठौर से प्रेमविवाह किया था। हत्या करने के बाद फंदे पर शव को लटकाया बचपन में दोनों साथ पढ़े थे। आरोप लगाया कि विनय बहन को किसी न किसी बात पर प्रताड़ित करता था। शुक्रवार को विनय ने बहन की हत्या करने के बाद फंदे पर शव को लटकाया और कानपुर देहात स्थित सिकंदरा के पैतृक गांव बुधौली में मकान निर्माण कराने की बात कहकर चले गए।

## संक्षिप्त खबरें

### मुफ्त राशन वितरण की जांच शुरू

कप्तानगंज। सदर ब्लॉक के परसा जागीर गांव में नागरिकों की शिकायत पर मंगलवार को पूर्ति निरीक्षक प्रवीण कुमार पांडेय की टीम पहुंची। इस दौरान सरकारी राशन की दुकान से वितरित किए गए मुफ्त खाद्यान्न की जांच की गई। टीम के समक्ष प्रधान राम मूरत प्रजापति, अजय सिंह, सुधीर पांडेय, संदीप पांडेय, राजकुमार प्रजापति, गिरीश पांडेय ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि निर्धारित यूनिट के हिसाब से उपभोक्ताओं को दो किलो अनाज कम मिल रहा है। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर जांच शुरू की गई है। जल्द रिपोर्ट तैयार करके एसडीएम को सौंप दिया जाएगा।

### सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के बस्ती-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रिठिया ओवरब्रिज पर बस्ती से बाइक से सब्जी की खरीदारी कर वापस आ रहे 30 वर्षीय युवक को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल युवक की पहचान कप्तानगंज थाना क्षेत्र पटखौली राजा निवासी चंदन धारी के रूप में हुई है।

### प्रधान डाकघर के लिए भूमि व भवन के प्रयास शुरू

बस्ती। मुख्यालय का प्रधान डाकघर जिस भवन में संचालित है, उसे जर्जर बताते हुए अब उसके नव-निर्माण की मांग तेज हो गई है। भूमि के साथ नया भवन बने इसके लिए सांसद बस्ती ने रेल व संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजा है। इससे उम्मीद जगी है कि जीर्ण-शीर्ण भवन का जीर्णोद्धार हो सकेगा। सांसद ने जो पत्राचार किया है उसमें उन्होंने कहा है कि प्रधान डाकघर अति पुरानी इमारत में संचालित है। यह भवन वर्ष 1936 में निर्मित हुआ था। तब से आज तक कोई बड़ा मरम्मत कार्य या पुर्ननिर्माण नहीं हुआ है। भवन की संरचना जर्जर हो चुकी है। जगह भी कम है। जिसके कारण आधुनिक डाक सेवाएं और नियमित रूप से मुख्यालय स्तर पर पासपोर्ट सेवा का संचालन ठीक से नहीं चल पा रही है। यह डाकघर जनपद का प्रमुख डाक घर है। यहां हजारों लोग सेवा के लिए आते हैं। डाक, बचत, बीमा और आधार सेवा समेत अन्य कार्य होते हैं। ऐसे में भवन का जीर्णोद्धार किया जाए। यदि भूमि मिले तो खुद का भवन भी प्रधान डाकघर के पास हो। उन्होंने केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध किया है।

### सात हजार वैक्सीन मिली, किशोरियों का होगा टीकाकरण

बस्ती। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) से बचाव व सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 14 से 15 वर्ष आयु की किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। प्रथम चरण के वैक्सीनेशन के लिए सात हजार वैक्सीन प्राप्त हुई है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग ब्लॉक स्तरीय ट्रेनिंग करवा रहा है। शहरी क्षेत्र की एएनएम को 12 मार्च को ट्रेनिंग देकर उन्हें वैक्सीनेशन के बारे में बताया जाएगा। डीआईओ डॉ. एके चौधरी ने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) यानी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर विश्व स्तर पर सबसे आम संक्रमणों में से एक है और भारत में भी यह महिलाओं में आम कैंसर में दूसरा सबसे बड़ा कैंसर है। इसकी समय रहते रोकथाम न होने पर यह वायरस सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है।

### किशोरी से छेड़खानी, चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर किशोरी के साथ छेड़खानी और मारपीट के आरोप में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। सदर कोतवाली के एक गांव निवासी शख्स ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 23 जनवरी को आरोपी अर्जुन उर्फ पांडेय ने उनकी 13 वर्षीय बेटी के साथ छेड़खानी की। जब इसकी शिकायत करने अर्जुन के घर गए तो अर्जुन और उसके घरवालों ने अपशब्द कहा और मारपीट की। इस दौरान उनके भतीजे के दाहिने हाथ की हड्डी टूट गई। कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर गांव के आरोपी अर्जुन, श्रीप्रकाश, ओमप्रकाश और अरविन्द के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

### टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने भेजा पाती

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आह्वान पर शिक्षकों ने मंगलवार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री को पाती भेजा। यह पाती डाक के जरिये भेजा। पत्र में मांग किया कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराया जाए। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल, परशुरामपुर ब्लॉक के कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार दूबे, मंत्री राजीव पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील पांडेय, कोषाध्यक्ष दिनेश वर्मा, संरक्षक सतीश शंकर शुक्ल, सुखराज गुप्ता मौजूद रहे।

### एसपी के आदेश पर पति-पत्नी पर प्राथमिकी दर्ज

पैकोलिया। थाना क्षेत्र के मधवापुर पांडेय गांव में मारपीट के मामले में एसपी के निर्देश पर मुकामी पुलिस ने पति-पत्नी पर प्राथमिकी दर्ज की है। मधवापुर पांडेय गांव निवासी राजकुमार वर्मा ने एसपी को शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया है कि 13 फरवरी को हल्का लेखपाल के बुलावे पर घर के सामने वह करीब पौने तीन बजे पहुंचा तो उसी दौरान गांव की कविता देवी और उनके पति शनि कुमार उसे अपशब्द कहते मारने-पीटने लगे। बीच-बचाव करने उसकी भतीजी आशा देवी पहुंची तो उसे भी मारा-पीटा और उसके बाएं पैर की अंगुली फ्रैक्चर हो गई। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पति-पत्नी पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

### गांजा तस्कर को पुलिस ने दबोचा

बस्ती। सोनहा पुलिस ने गांजा तस्करी में वांछित पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पठान टोला निवासी मोहित सोनकर को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। विधिक कार्रवाई के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोप पर चार प्राथमिकी पहले से दर्ज है। जानकारी के अनुसार, थानेदार महेश सिंह और दरोगा जितेंद्र कुमार क्षेत्र भ्रमण पर थे। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि चैनपुरवा ब्रीज के पास अवैध रूप से गांजा बेचने का आरोपी मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

### रेलवे ट्रैक के किनारे पेड़ से लटका मिला बिहार के युवक का शव

बभनान। रेलवे स्टेशन से दो किमी पूर्व रेलवे ट्रैक के किनारे मंगलवार की सुबह बिहार के युवक का शव पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया। युवक की जेब में दो सौ रुपये और आधार कार्ड मिला। उस पर कृष्ण कुमार (22) पुत्र शत्रुघ्न ग्राम गौरा जनपद सीतामढ़ी बिहार लिखा हुआ है। पुलिस ने परिवार वालों को सूचना दे दी है। जानकारी के अनुसार, गौर थाना क्षेत्र के पटेल नगर वार्ड के ग्रामीण सुबह संपर्क फाटक संख्या 220 व 221 के बीच अप ट्रैक के किनारे शौच करने आए थे।

## राजधानी में गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लंबी लाइनें

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है। आम लोगों से लेकर होटल, ढाबा और कैटरिंग कारोबारियों तक सभी मुश्किल में हैं। गैस एजेंसियों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें लगी हुई हैं। कई लोगों का कहना है कि एक सप्ताह पहले बुकिंग कराने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि सिलेंडर 3500 रुपए तक में ब्लैक में बेचे जा रहे हैं। वहीं कमर्शियल सिलेंडर न मिलने के कारण लोग वैकल्पिक इंतजाम करने को मजबूर हैं। कुछ शादी समारोहों में गैस की जगह लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को निर्देश दिए हैं कि गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि प्रदेश में गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर गलत जानकारी फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

# मन भज ले रे गोविंदा, हरि का प्यारा नाम है

### ■ कै. सिंधिया की जयंती हुए कई आयोजन

■ ग्वालियर

पूर्व केंद्रीय मंत्री कै. माधवराव सिंधिया की 81वीं जयंती पर मंगलवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर सेवा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य आयोजन अम्मा महाराज की छत्री में श्रद्धांजलि सभा और भजनांजलि का रहा। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सुबह कै. सिंधिया की छत्री पर श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया। जिसमें उनके छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी प्रभात फेरी निकालकर नदी गेट स्थित स्व. सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

शाम 5 बजे अम्मा महाराज की छत्री स्थित मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक राजेन्द्र पारिख एवं शिल्पी कालविन्ट ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए, जिसमें 'मन भज ले रे गोविंदा, हरि का प्यारा नाम है' आदि प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस अवसर पर चारों धर्मों के गुरुओं को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, वरिष्ठ नेता वेदप्रकाश शर्मा, रामवरन सिंह गुर्जर, सभापति मनोज तोमर, विधायक मोहन सिंह राठौड़, समीक्षा गुप्ता, अभय चौधरी, कमल माखीजानी, अभय पापरीकर, अशोक शर्मा, पार्षद अनिल सांखला, सुधीर गुप्ता, सतेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र परमार चच्चू, बाल खाण्डे, रामनारायण मिश्रा, विजय गर्ग, अपर्णा पाटिल, सुरेन्द्र शर्मा, गुड्डू वारसी, गिर्राज सिंह मावई आदि उपस्थित रहे।

### यहां भी हुए आयोजन

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र सिंह परमार (चच्चू) के नेतृत्व में वार्ड 25 की पार्षद प्रीती संजू परमार द्वारा दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में भोजन वितरण किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, रामवरन सिंह गुर्जर आदि उपस्थित रहे। जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र शर्मा ने बहोड़ापुर स्थित कुष्ठ आश्रम में फल वितरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रमोद पाण्डेय द्वारा श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर फलों का वितरण किया। उधर जीवाजी क्लब में कै.सिंधिया को अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, राजू कुकरेजा, संग्राम सिंह कदम, लावण्य शर्मा, दीपक पमनानी, राजीव गुप्ता, गगन भल्ला, शिववीर सिंह भदौरिया, महेंद्र साहू, महेंद्र खत्री आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

## माधवराव सिंधिया की जयंती पर बच्चों को बांटे उपकरण व पाठ्य सामग्री

कै.माधवराव सिंधिया की 81वीं जयंती के अवसर पर सुरेश नगर में माधो महाराज स्मृति फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह राठौड़ के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को उपकरण, पाठ्य सामग्री, स्टडी चेयर-टेबल, स्कूल बैग, किताबें, ड्राइंग कॉपी और कलर्स वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजकुमार आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माधो महाराज स्मृति फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकायुक्त एसपी निरंजन शर्मा, सीएचएमओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ समाजसेवी श्याम श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलगुरु राजकुमार आचार्य ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया अपने जनकल्याणकारी कार्यों और विचारों के कारण सदैव लोगों के हृदय में रहेंगे। आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि राजनीति में आदर्शों और उच्च मूल्यों को स्थापित करने वाले कैलाशवासी माधवराव सिंधिया ने अपना पूरा जीवन जनसेवा को समर्पित किया, जिन्हें समाज हमेशा याद रखेगा। लोकायुक्त एसपी निरंजन शर्मा ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए माधवराव सिंधिया सदैव तत्पर रहते थे। वहीं सीएचएमओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों में प्रतिभा और क्षमता का भंडार है, जिसे देश के निर्माण में उपयोग किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन नम्रता सक्सेना एवं आभार सोनू अस्थाना ने व्यक्त किया।

# हल्दी-मेहंदी की रस्म में गूंजे मंगल गीत आज 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह

■ ग्वालियर

पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाशवासी माधवराव सिंधिया की 81वीं जयंती के उपलक्ष्य में लोक जन आस्था ग्रुप द्वारा 11 मार्च को 11 कन्या जोड़ों का सर्वजातीय निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में मंगलवार को विवाह स्थल पर हल्दी और मेहंदी की पारंपरिक रस्में संपन्न हुईं। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की रासलीला और मंगल गीतों के साथ महिलाओं ने नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठा।

समारोह के आयोजक पार्षद मोहित जाट ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर महिलाएं और युवतियां पीले रंग के लहंगे और साड़ियों में सजी-धजी पहुंचीं। सामूहिक विवाह को लेकर वर-वधु पक्ष और उनके परिजनों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। वधु पक्ष की महिलाएं बड़ी संख्या में विवाह स्थल पर पहुंचीं और कन्याओं को हल्दी व मेहंदी लगाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की दिव्य झांकी ने सभी का मन मोह लिया। 'हो आयो नंद गांव से होरी खेलने नटवर नंद किशोर', 'सजन मेरो गिरधारी' और 'होरी खेलन आई मैं कान्हा के संग' जैसे गीतों पर प्रस्तुत नृत्य से उपस्थित लोग झूम उठे और सभी ने मिलकर फूलों की होली भी खेली। इस अवसर पर पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि वर्तमान परिवेश में विवाह महंगे हो गए हैं। ऐसे में सामूहिक विवाह कराना एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर पार्षद मोहित जाट, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, मुरारी लाल मित्तल, संजीव पोतनीत, सत्यपाल जादौन आदि उपस्थित रहे।

## दिव्यांगजनों को सुविधा और योजना के बारे में बताया

**ग्वालियर।** शासकीय विद्यालय मुरार क्रमांक एक में मंगलवार को एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी अशोक दीक्षित रहे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने की। कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगजनों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। आशा तिवारी ने दिव्यांग जनों को मिलने वाली योजनाओं और लाभों के बारे में बताया। इस अवसर पर नरेन्द्र भार्गव, डॉ. दीप्ति गौड़, ब्रजेश कुमार, प्रीति सोनी, रेखा मुले आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्मृता भदौरिया ने किया।

### 'शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं सकारात्मक सोच भी आवश्यक'

**ग्वालियर।** द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ग्वालियर ब्रांच की स्टूडेंट्स विंग सिकासा ग्वालियर द्वारा सीए विद्यार्थियों के लिए 'मीट एंड मेंटर पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' विषय पर इंटरैक्टिव कार्यक्रम का आयोजन गत दिवस किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रगति विद्या पीठ के चेयरमैन राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि सफलता के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और सकारात्मक सोच भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, समय प्रबंधन अपनाने और निरंतर सीखते रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन में सफल विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने वक्ताओं से प्रश्न पूछकर करियर संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में ग्वालियर ब्रांच की चेयरपर्सन सीए निधि अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सीए पंकज शर्मा, विवेक कुमार जैन, गगन जैन आदि उपस्थित रहे। संचालन वंशिका साहनी ने किया।

### महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें

**ग्वालियर।** अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में लोगों को ग्राहक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और आम नागरिकों को उपभोक्ता अधिकारों तथा उनके संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. नीति पांडेय ने कमर्शियल विज्ञापनों में महिलाओं की भूमिका और उनके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशा सिंह ने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। अध्यक्षता प्रियंका सिंह राठौर ने की। कार्यक्रम के दौरान महिला समाजसेविकाओं और उद्यमियों का सम्मान किया गया तथा ग्राहक पंचायत में इंटर्नशिप करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संचालन अंजू श्रीवास्तव और आभार सारिता पाठक ने व्यक्त किया।

# ग्वालियर फिजियो मंथन का पोस्टर लॉन्च, 15 को होगा कार्यक्रम

■ ग्वालियर

ग्वालियर एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपी एवं मातृत्व जनआरोग्य तथा शिक्षा समिति के तत्वावधान में 15 मार्च को होटल लैंडमार्क में अंतर्राष्ट्रीय ग्वालियर फिजियो मंथन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को किया गया। आयोजक डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री और डॉ. अभिषेक यादव ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 15 मार्च को सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। कार्यक्रम में देश-विदेश के विशेषज्ञ फिजियोथैरेपिस्ट अपने अनुभव साझा करेंगे। विशेषज्ञ वक्ताओं में डॉ. के. पर्लसन (बैंगलोर, एमपीटी ऑस्ट्रेलिया), डॉ. हर्ष एम. राजदीप (कोटा), डॉ. शबाना सईद (दुबई), डॉ. अंकुर शर्मा (कनाडा), डॉ. जगप्रीत सिंह (मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल), डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव (वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन, फोर्टिस हॉस्पिटल फरीदाबाद), डॉ. अनुराग सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन, मणिपाल हॉस्पिटल द्वारका, दिल्ली) तथा डॉ. मुकेश बी. चावला (आयुर्वेदाचार्य, मुंबई) शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस में देशभर से लगभग 350 प्रतिभागी भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, गायनिक और स्पोर्ट्स इंजरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में फिजियोथैरेपी की नई तकनीकों और आधुनिक मशीनों से उपचार की जानकारी दी जाएगी। पोस्टर विमोचन के दौरान डॉ. तुषार घोड़के, डॉ. नीलिमा जौहरी, डॉ. आस्था श्रीवास्तव, डॉ. विकास सविता और डॉ. अमन थापक सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

# संकल्प से समाधान अभियान के शिविरों में हजारों आवेदनों का हुआ निराकरण

■ ग्वालियर

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत व्यापक स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है।

अभियान के द्वितीय चरण में विकासखंड भितरवार की 82 ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए गए, जहां कुल 7815 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। इसी प्रकार विकासखंड घाटीगांव की 48 ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों में 6046 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का समाधान कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के संचालन के लिए तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, बीईओ और जोनल अधिकारियों को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान के तहत तृतीय चरण में 16 से 26 मार्च तक विकासखंड स्तर पर तथा चतुर्थ चरण में 26 से 31 मार्च के बीच जिला स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। नागरिक पोर्टल पर शिविर रोस्टर देखकर अपनी सुविधा अनुसार शिविर का चयन कर ऑनलाइन आवेदन भी दर्ज कर सकते हैं।

# नदीगेट मार्ग की दीवार तोड़कर रास्ता बनाने से लगेगा जाम!

■ ग्वालियर

गुरुद्वारा शिंदे की छावनी से नदी गेट की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग की ओर जय विलास पैलेस से लगी दीवार तोड़कर दरवाजा निकाले जाने से यहां जाम की स्थिति हो जाएगी। इस सिलसिले में एक व्यवहार वाद क्रमांक 51 ए /98 मै. भारत बिल्डर्स बनाम सिंधिया इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड विचाराधीन है। जिसमें वादी मै. भारत बिल्डर्स के भागीदारगण गयाप्रसाद गुप्ता, विशंभर दयाल खंडेलवाल, प्रमिला गुप्ता, सुभाष सचेती, सुनील कुमार सचेती ने 3 नवंबर 1989 को सिंधिया इन्वेस्टमेंट के विरुद्ध इस आशय का वाद प्रस्तुत किया है कि मै. भारत बिल्डर्स फर्म अपनी संपत्ति जो कि मोती तबेला के नाम से जानी पहचानी जाती है, में जय विलास पैलेस की उक्त दीवार में सरकारी रास्ते की ओर दरवाजे निकलवाने के अधिकारी हैं। उक्त प्रकरण वर्तमान में न्यायालय 25 वें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड निशांत बसोया के न्यायालय में लंबित है। इस मामले में ध्यान देने योग्य बात यह है कि गुरुद्वारा से नदी गेट की ओर जाने वाली रोड पहले से ही काफी कन्जेस्टेड है। ऐसे में वह मोती तबेला में उक्त रास्ते की ओर कमर्शियल उपयोग हेतु निर्माण करेंगे, जिससे आमजन को आवागमन में और भी अधिक परेशानियां का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस मार्ग में भारी आवागमन रहता है और जाम की स्थिति बनी रहती है।वैसे भी जयविलास पैलेस की इस दीवार में सड़क की ओर पूर्व से कोई दरवाजा या रास्ता नहीं हैं। इसलिए प्रतिवादी द्वारा न्यायालय को आवेदन देकर आपत्ति दर्ज कराई है।

# शीतला अष्टमी आजः घरों में नहीं जलेगा चूल्हा, खाएंगे बासा खाना

■ ग्वालियर

चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 11 मार्च बुधवार को मनाई जाएगी। इसे कई जगहों पर बसौड़ा भी कहा जाता है। इस दिन माता को बासे भोजन का भोग लगाया और खाया जाता है। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि यह व्रत मुख्य रूप से माता शीतला को समर्पित है, जिन्हें बीमारियों और संक्रमण से रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। इस दिन परिवार की सेहत और सुख-समृद्धि के लिए विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। शीतला अष्टमी पर सबसे खास परंपरा यह है कि घर में चूल्हा नहीं जलाया जाता। इस दिन जो भोजन तैयार किया जाता है उसमें दही, पुआ, रोटी, मीठे चावल, नमकपारे, मठरी और अन्य ठंडे व्यंजन शामिल होते हैं। बुधवार को इस भोजन का भोग माता को लगाया जाएगा और परिवार के लोग मिलकर इसे ग्रहण करेंगे।

### महिला दिवस पर 16 महिलाओं का सम्मान

# महिलाओं की काम में भागीदारी दे रही है नई दिशा

■ ग्वालियर

ग्वायिलर होटल ऑपरेटर्स एण्ड टूरिज्म एसोसिएशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहीं 16 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ विधिक सलाहकार सुश्री रुचि मोदी तथा मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक नितिन कटारे एवं डॉ. अपूर्वा विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष नीलकमल माहेश्वरी, सचिव आदित्य गिडवाणी, कोषाध्यक्ष जाकिर खान तथा कार्यकारिणी सदस्य कमलेश मण्डेलिया, उमराव राठौर, मुकेश ठाकुर और शिवानी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पर्यटन और हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे अपने कार्य से इस क्षेत्र को नई दिशा दे रही हैं।

### इनका हुआ सम्मान

इस अवसर पर मुस्कान तिवारी, रुचिका वत्स, नेहा बंसल, दिव्या खुजूर, किरण वर्मा, आरती गोम्या, अपरूपा दास, दीपांजलि सिंह, अनुष्का त्रिपाठी, बेबी पोरवाल, कौशर खान, डॉ. मोनिका सक्सेना, सोनाली सक्सेना, सुधी शर्मा, विद्या ओगलेकर और शीतल शर्मा को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

### महिला दिवस पर महिला सफाईकर्मियों का सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद सेवा समिति द्वारा महिला सफाईकर्मियों का सम्मान किया गया। समिति के अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव ने कहा कि सफाईकर्मी दिन-रात शहर को स्वच्छ रखने का कार्य करते हैं, इसलिए समाज का भी कर्तव्य है कि उनके योगदान का सम्मान किया जाए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

### रिंकी, मोनिका और स्वेच्छा को ब्रजबाला का खिताब मिला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली के उपलक्ष्य में स्त्री शक्ति मंच द्वारा रंग बरसे नारी सम्मान समारोह होली रास सम्मान के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रितु लक्षाकार ने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में 'ब्रज की गोपियां' थीम के तहत रिंकी चौबे, मोनिका सोनी और स्वेच्छा भदौरिया को ब्रजबाला का खिताब दिया गया। बैलेंसिंग गेम में गीता लक्षाकार और दिशा सप्रे विजेता रहीं। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया। आभार अर्चना सिंह ने व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा नेता खुशबू गुप्ता, डॉ. अनुराधा शर्मा, हनी शर्मा, प्रीति सोनी आदि उपस्थित रहीं।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल

**भितरवार।** भितरवार थाना क्षेत्र के करैरा-भितरवार मुख्य सड़क मार्ग पर मोहनगढ़ तिराहे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार विकासखंड डबरा के आरुषि गांव निवासी 35 वर्षीय हेमंत सिंह रावत पुत्र पंजाब सिंह रावत सोमवार की देर रात मोटरसाइकिल से भितरवार थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर सानी से जा रहा था। इसी दौरान भितरवार करैरा रोड स्थित मोहनगढ़ तिराहे के पास किसी अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल टक्कर मार दी। टक्कर लगने युवक के सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया।

### गोविंद मेहरोत्रा बने जिला योग प्रभारी

**ग्वालियर।** ग्वालियर मुरार शहर विकासखंड में गोविंद मेहरोत्रा ने जिला योग प्रभारी का पदभार संभाल लिया है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उन्हें पदभार सौंपा। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने श्री चाकणकर के कार्यकाल की सराहना की। इस अवसर पर सर्वेश दीक्षित, आरके सिंह, राजेश श्रीवास्तव, डॉ. लोकेंद्र सिंह कामर आदि उपस्थित रहे।

### भागवत कथा सुनने से होता है कल्याणः शास्त्री

**भितरवार।** श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में धर्म, भक्ति और संस्कारों का संचार होता है। भागवत कथा हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और इससे जीव का कल्याण होता है। यह बात पं. रामप्रकाश शास्त्री (चंद्रास्वामी) ने बागवाई गांव के हनुमान मंदिर पर चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में कही। इस दौरान समाजसेवी महेशचंद्र अग्रवाल ने विधि-विधान से श्रीमद् भागवत जी का पूजन-अर्चन किया और कथा व्यास पं. रामप्रकाश शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कथा में पहुंचकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

## सम्पादकीय

### राष्ट्रपति पर राजनीति, थोथा चना, बाजे घना

थोथा चना, बाजे घना? दो संवैधानिक पदधारकों राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के बीच परिहार्य वाक्युद्ध? जी हां। क्या इस पर सार्वजनिक रूप से तू-तू, मैं-मैं होनी चाहिए? बिल्कुल नहीं। इसकी शुरूआत राष्ट्रपति मुर्मू के सिलीगुड़ी में 7 मार्च को 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने से हुई, जहां पर पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया। इस सम्मेलन में आदिवासियों की कम उपस्थिति पर खिन्नता प्रकट करते हुए राष्ट्रपति ने प्रश्न उठाया कि सम्मेलन स्थल विधान नगर से गोसियापुर क्यों स्थानांतरित किया गया। उन्होंने कहा कि ममता मेरी छोटी बहन जैसी है। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। मैं नहीं जानती कि क्या वे परेशान हैं। शायद राज्य सरकार आदिवासियों का कल्याण करना नहीं चाहती, इसलिए उन्हें यहां आने से रोका गया है। उनके इस बयान के बाद खूब शोर-शराबा हुआ। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने ब्ल्यू बुक, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उनके पारिवारिक सदस्यों के लिए सुरक्षा और प्रोटोकॉल की रूपरेखा निर्धारित की गई है, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान उसके उल्लंघन की जांच शुरू की, जिसमें सम्मेलन में मुख्यमंत्री, राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक द्वारा राष्ट्रपति के आगमन पर उनके स्वागत में उपस्थित न होना भी शामिल है। राज्य सरकार ने यह कहते हुए किसी भी प्रोटोकॉल के उल्लंघन का खंडन किया कि राष्ट्रपति की अगुवाई सिलीगुड़ी के मेयर, पुलिस आयुक्त और जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा की गई। इसकी बजाय ममता बनर्जी ने इस चयनात्मक विरोध पर प्रश्न उठाया और कहा कि आप तब विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं करते, जब आदिवासियों के विरुद्ध अत्याचार होते हैं। चुनाव के समय पर भाजपा की सलाह के अनुसार राजनीति मत कीजिए, जो चुनाव के निकट आते ही बंगाल को निशाना बना रही है। ममता ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकी क्योंकि मैं एस.आर.आई. के मुद्दे पर लोगों के लिए धरने पर बैठी हूं। मेरी प्राथमिकता क्या होनी चाहिए? राष्ट्रपति के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि मुर्मू की टिप्पणियां भाजपा द्वारा प्रभावित हैं और उन्हें यहां राजनीति करने के लिए भेजा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति से इस सम्मेलन में भाग लेने की अपेक्षा नहीं की जाती थी क्योंकि यह राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित नहीं, एक निजी कार्यक्रम था और राज्य प्रशासन ने आगाह कर दिया था कि वह ऐसे सम्मेलन का आयोजन करने के लिए तैयार नहीं है, जिसमें राष्ट्रपति भी आ रही हैं। यह मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा राष्ट्रपति का सम्मान नहीं करती। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक फोटोग्राफ दिखाते हुए उन्होंने बताया कि इस तस्वीर में मोदी बैठे हुए हैं और राष्ट्रपति खड़ी हैं। यह सरासर राष्ट्रपति का अपमान है। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर टिप्पणी की कि यह शर्मनाक और अभूतपूर्व है और तृणमूल सरकार पर राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाया। किंतु मुख्य तथ्य यह है कि राष्ट्रपति अपने समुदाय के सम्मान में आयोजित सम्मेलन में गईं और वहां उन्हें लगा कि उनका स्वागत नहीं किया जा रहा। राजनीतिक संदर्भ जो भी हो, यह ऐसा आरोप नहीं है जिसे कोई भी राज्य सरकार आसानी से नजरंदाज कर सके। चाहे कोई कार्यक्रम सार्वजनिक हो या निजी, राज्य सरकार संवैधानिक दृष्टि से राष्ट्रपति को पूर्ण वी.वी.आई.पी. सुरक्षा और व्यवस्था करने के लिए बाध्यकारी है। तथापि यह घटना अन्य सामान्य राजनीतिक टकराव से अलग है। राष्ट्रपति मुर्मू स्वयं संथाल समुदाय से हैं और वह आदिवासी समुदाय की पहली राष्ट्रपति हैं और इसीलिए उन्हें अपनी निराशा और खिन्नता व्यक्त करनी पड़ी जो केन्द्र-राज्य संबंधों को शासित करने वाले स्थापित मानदंडों से अलग हैं क्योंकि भारत के हालिया राजनीतिक इतिहास में ऐसी कोई घटना नहीं हुई जहां पर वर्तमान राष्ट्रपति ने अपनी यात्रा के दौरान राज्य सरकार के इरादों पर प्रश्न उठाया हो। वस्तुतः यह विवाद एक गरमागरम चुनावी माहौल के समय पैदा हुआ जहां पर भाजपा और तृणमूल दोनों ही इससे लाभ उठाना चाहती हैं। स्पष्ट है कि भाजपा तिल का ताड़ बनाना चाहती है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के साथ उसके संबंध पहले से तनावपूर्ण हैं और दोनों ही पक्ष राज्य में आगामी चुनावों से पूर्व नैरेटिव बनाना चाहते हैं। भाजपा यह स्पष्ट करना चाहती है कि राष्ट्रपति का अपमान एक गंभीर संवैधानिक मुद्दा है तो तृणमूल का कहना है कि बंगाल सरकार पर हमला करने के लिए नियमित प्रशासनिक मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। समय आ गया है कि केन्द्र और राज्यों को यह समझना चाहिए कि यदि एक-दूसरे के अधिकारों और स्वायत्तता के बीच संतुलन न बनाया जाए तो उनका मान नहीं रह जाता। प्रत्येक संघीय प्रणाली शक्ति, अधिकार और संयम के नाजुक संतुलन से चलती है। इसके लिए संघ की इच्छा और राज्य के जनादेश के बीच संतुलन बनाया जाना चाहिए। संविधान में यह संतुलन केन्द्र के पक्ष में है और यह प्रणाली इसलिए चल रही है कि केन्द्र ने परिपाटियों को माना है। इस घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रपति की भूमिका है।

# यूरोप का हुआ बुरा हाल, रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल



हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है। हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा


*ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है। ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है। यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था। हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया।*


बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है। ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है। यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था। हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्त्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे। हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं। फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है। इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं। दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्त्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।

# न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा रोकने की हड़बड़ी क्यों?

योगेन्द्र यादव

पहली नजर में बात चाय के प्याले में तूफान जैसी थी। लेकिन जरा गहराई से देखें तो एन.सी.ई.आर.टी. की किताब में न्यायपालिका के भ्रष्टाचार के जिक्र पर उठा बवाल हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक गहरी चुनौती की ओर इशारा करता है। सवाल यह नहीं है कि न्यायपालिका को बदनाम करने की साजिश किसने और क्यों की, असली सवाल यह है कि इस साजिश को ढूंढने और इसे रोकने की आड़ में क्या खेल हो गया। एक तीर से कितने निशाने सध गए। किस्सा मामूली सा था। केंद्रीय शिक्षा बोर्ड सी.बी.एस.ई. स्कूलों के लिए पाठ्य पुस्तक लिखने वाली संस्था एन.सी.ई.आर.टी. की 8वीं कक्षा की समाज विज्ञान की पाठ्य पुस्तक के दूसरे हिस्से में देश की राजनीतिक प्रणाली का परिचय देते हुए एक अध्याय न्यायपालिका पर है, जिसमें एक छोटा सा सैक्शन न्यायपालिका से जुड़ी समस्याओं पर है और एक पन्ना न्यायपालिका में भ्रष्टाचार उपशीर्षक से है। सारा बवाल इसी एक पन्ने पर है। मजे की बात यह है कि इस हिस्से में ऐसा कुछ भी नहीं है जो विवादास्पद हो। मैं न इस किताब से जुड़ा हूं, न ही एन.सी.ई.आर.टी. की इन नई किताबों का मुरीद हूं लेकिन कम से कम इस हिस्से में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है-पूरी न्यायपालिका को भ्रष्ट बताने या फिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के सनसनीखेज किस्से सुनाने जैसी कोई भी बात इस पुस्तक में नहीं है। बड़े ही सरकारी अंदाज में पुस्तक यह कहती है कि सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं की तरह न्यायपालिका की भी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिर बस इतना कहती है कि लोग न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार का सामना करते हैं। इसके कारण गरीब और वंचित लोगों के लिए न्याय हासिल करना और भी कठिन हो जाता है। न्यायाधीशों की कमी, जटिल कानूनी प्रक्रिया और कमजोर आधारभूत ढांचे के चलते न्यायिक प्रणाली को मामलों के भारी संख्या में लंबित मामलों के बोझ का भी सामना करना पड़ता है। इसके बाद यह बताया गया है कि न्यायपालिका ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए क्या कुछ किया है-सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई आचार संहिता, आंतरिक जांच व्यवस्था का जिक्र है। कुल मिलाकर एक साधारण सी किताब का नामुराद औपचारिक सा हिस्सा है जो पढने के बाद आपको याद भी नहीं रहेगा। बहस इस पर हो सकती है कि 8वीं कक्षा के लिए इस तरह की औपचारिक सूचनाओं का क्या महत्व है। यह पूछा जा सकता है कि क्या इस किताब में कार्यपालिका और व्यवस्थापिका के भ्रष्टाचार का जिक्र भी किया गया है या नहीं। लेकिन न्यायपालिका की अवमानना जैसी कोई बात यहां थी ही नहीं। अब देखिए कि इस हिस्से पर क्या बवाल कटा। इस हिस्से को एक अंग्रेजी अखबार ने पहले पन्ने पर छाप दिया। पढ़कर ऐसा लगता था मानो पाठ्य पुस्तक में कुछ बड़ा क्रांतिकारी प्रयोग हो गया हो। बस फिर क्या था, तुरत-फुरत सुप्रीम कोर्ट ने मामले का स्वतरू संज्ञान लिया। उसी सुप्रीम कोर्ट ने, जो हर रोज अखबारों में छपने वाले नफरती बयानों या पाठ्य पुस्तकों के जरिए फैलाए जा रहे झूठ और घृणा के मामलों का स्वतरू संज्ञान कभी नहीं लेता। माननीय मुख्य न्यायाधीश ने इस सच्चाई को सामने लाने के लिए मीडिया का धन्यवाद किया। एन.सी.ई.आर.टी. को कड़ी फटकार लगाते हुए माननीय न्यायाधीश ने इसके पीछे गहरी साजिश का अंदेशा बताया। यही नहीं, कोर्ट की अवमानना के ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करने की चेतावनी देते हुए एन.सी.ई.आर.टी. को नोटिस दे दिया। कोर्ट की इस फुर्ती को देखकर न जाने कितने लोगों ने सोचा होगा-काश कोर्ट अपने अलावा दूसरों के मामले में भी इतनी ही कड़ाई और फुर्ती दिखाता। सुप्रीम कोर्ट के कितने ही आदेश फाइलों में पड़े धूल खा रहे हैं। न्यायपालिका के कितने ही आदेशों की हर रोज धज्जियां उड़ती हैं-मसलन बुलडोजर राज को रोकना या मैला उठाने की प्रथा को बंद करने के आदेश। काश सुप्रीम कोर्ट अवमानना के ब्रह्मास्त्र का प्रयोग इन मामलों में भी करता। अगर आप एक दिन किसी कचहरी में जाकर वहां व्याप्त भ्रष्टाचार की चर्चा सुन लें तो आप इस किताब तो भूल जाएंगे। कौन याद दिलाता कि कुछ ही महीने पहले पूरे देश ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज साहब के कारनामे की खबरें पढ़ी हैं? कि पिछले 10 साल में उच्च न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की 8,630 शिकायतें दर्ज हुई हैं? कौन पूछता कि इनमें से कितने मामलों की जांच हुई है? कि कितने न्यायाधीशों ने अपनी ही बनाई आचार संहिता का पालन किया है? एन.सी.ई.आर.टी. ने एकदम हथियार डाल दिए। अपनी ही किताब के हक में एक भी तर्क दिए बिना माफी मांग ली। सरकार ने हाथ खड़े कर दिए, शिक्षा मंत्रालय ने भी हाथ झाड़ लिए। किताब को रद्द ही नहीं किया गया, बल्कि इसकी प्रतियां वापस मंगा ली गईं। मानो दिन रात झूठी खबरों, नफरती भाषणों और पर्चों तथा भड़काऊ फिल्मों से भरे इस देश में 8वीं की यह किताब सबसे खतरनाक साहित्य था। माननीय न्यायाधीशों की नीयत जो भी रही हो लेकिन इस आदेश का एक ही अर्थ निकाला जाएगा-कोई भी न्यायपालिका पर उंगली उठाने की जुर्रत न करे। इससे यह संदेह पैदा होता है कि इतिहास के जिस दौर में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गहरे सवाल उठ रहे हैं।

# मोदी ने बना रखा है राष्ट्रपति को अपनी श्राजनीति का शुभंकर

अनिल जैन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस बात को लेकर बहुत खिन्न हैं कि उनकी पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल संबंधी कई खामियां रहीं और जिस अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में वे मुख्य अतिथि थीं, उसके आयोजन के लिए राज्य सरकार ने उचित जगह उपलब्ध नहीं कराई। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राष्ट्रपति को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि, श्राष्ट्रपति के साथ जो व्यवहार हुआ वह शर्मनाक और अभूतपूर्व है। हमारे देश में राष्ट्रपति के पद पर आमतौर पर सरकार की पसंद का या सरकारी पार्टी से जुड़ा व्यक्ति ही चुना जाता है लेकिन चुने जाने के बाद उससे अपेक्षा की जाती है कि वह दलीय राजनीति और सरकार के रोजमर्रा के कामकाज से अपने को सर्वथा दूर रखेगा। यह संविधान सम्मत अपेक्षा है, जिसके पूरा होने से इस सर्वोच्च पद की और उस पर बैठने वाले व्यक्ति की गरिमा बढ़ती है। हालांकि आमतौर पर राष्ट्रपति की तटस्थता का पलड़ा उस पार्टी या सरकार और उसकी विचारधारा की ओर ही झुका रहता है जो उसे इस पद पर पहुंचाती है। फिर भी राष्ट्रपति को दलगत राजनीति से परे रखा जाए और उन्हें लेकर किसी तरह का विवाद न हो, यह देखने का काम उनके सचिवालय और केंद्र सरकार का होता है। खुद राष्ट्रपति को तो इस बारे में सचेत रहना ही चाहिए लेकिन पिछले करीब एक दशक से ऐसा बिल्कुल नहीं हो रहा है। राष्ट्रपति को देश का अभिभावक और संविधान का



संरक्षक माना जाता है परंतु हमारे यहां फखरुद्दीन अली अहमद, प्रतिभा पाटिल, प्रणब मुखर्जी, रामनाथ कोविंद आदि ने तो राष्ट्रपति पद पर रहते हुए ज्यादातर समय सरकार के अभिभावक और संरक्षक की भूमिका ही निभाई है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी अपने इन्हीं पूर्ववर्तियों की श्रेणी में शुमार की जाएंगी। कई मामलों में तो वे अपने इन पूर्ववर्तियों से भी आगे निकल चुकी हैं। भारत की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने अपने कार्यकाल का तीन चौथाई समय यानी पौने चार साल पूरे कर लिए हैं। अगले साल यानी 2027 में 25 जुलाई को उनका पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा हो जाएगा। राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल वैसे तो कई बातों के लिए याद किया जाएगा और उसकी अलग-अलग व्याख्याएं भी होंगी, लेकिन उनके कार्यकाल को सबसे ज्यादा इस बात के लिए याद किया जाएगा कि उन्होंने राष्ट्रपति के पद पर रहते हुए आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी की नेता की तरह ही बर्ताव किया है। इस सिलसिले में उनकी हाल ही की पश्चिम बंगाल यात्रा का जिक्र खास तौर पर किया जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू की पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान जो विवाद हुआ है उसे टाला जा सकता था। मगर ऐसा लगता है कि विवाद पैदा करने के लिए ही राष्ट्रपति की यह यात्रा आयोजित की गई थी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से एक हफ्ते पहले राष्ट्रपति का एक जातीय सम्मेलन में जाना, चाहे वह कितना भी बड़ा और महत्वपूर्ण क्यों न हो, कोई उचित फैसला नहीं था। राष्ट्रपति संथाल समुदाय से आती हैं और संथाल समुदाय के किसी कार्यक्रम में उनके शामिल होने पर कोई सवाल नहीं उठा सकता, लेकिन यह सिर्फ संयोग नहीं था कि अंतरराष्ट्रीय संथाल परिषद का नौवां सम्मेलन पश्चिम बंगाल में हो रहा था और वह भी चुनाव से ठीक पहले। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में सात फीसदी के करीब आदिवासी वोट हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संथाल हैं। हालांकि इस मामले में गलती ममता बनर्जी की ओर से भी हुई। यह जरूरी नहीं है कि राष्ट्रपति के स्वागत के लिए मुख्यमंत्री ही मौजूद रहे लेकिन राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल और स्थापित परंपरा के लिहाज से उन्हें अपने किसी वरिष्ठ मंत्री को राष्ट्रपति के स्वागत के लिए तैनात करना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके अलावा कार्यक्रम की जगह बदलने का भी कोई औचित्य नहीं था। जब ममता बनर्जी ने यह भांप लिया कि चुनाव से ऐन पहले बंगाल में इस सम्मेलन को आयोजित करने का मकसद पूरी तरह राजनीतिक है तो फिर उन्होंने जो कुछ भी किया उस राजनीति के लिहाज से ही किया। इस सम्मेलन को लेकर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि पिछले 16 साल से यह सम्मेलन नहीं हुआ था। उससे पहले जब 1980 के दशक में अंतराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन की शुरूआत हुई तो हर चार या पांच साल पर यह आयोजन होता था।

# महाविनाशक अर्थव्यवस्था का दौर

अति महात्वकांक्षा एवं सुपर पावर शाक्ति प्राप्त करने के लिए अमरीका ऐसा पहली बार नही कर रहा बल्कि सौ साल पहले भी अमरीका ने हजारों कराड़ों रुपए की होली खेली है। यह युघ्द्ध केवल ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के लिए घातक नही है बल्कि इसका प्रभाव अब वैश्विक स्तर पर दिखाई देने लगा है। लाखों जीवन तबाह होने के साथ जिस तरह से आर्थिक रूप से यह युद्ध तबाही की ओर बढ़ रहा है इसके परिणाम विश्व के अन्य देशों के साथ स्वंय अमरीका और इजराइल को भी भोगनें होगें। युद्ध के दो सप्ताह के अन्दर ही महंगाई की शुरूआत होना इस बॉत का संकेत है कि जितने अधिक दिनों तक यह युद्ध चलेगा इसका असर ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के साथ दुनिया भर में बढ़ता जाएगा। हम केवल आर्थिक दृष्टि से नजर डाले तो ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष में अमेरिका हर दिन करीब 891 मिलियन से 1.43 बिलियन डॉलर तक खर्च कर रहा है। यानी भारतीय मुद्रा में यह रोजाना लगभग 7,000 करोड़ से 12,000 करोड़ रुपये के बराबर है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह संघर्ष लंबा चला तो इसकी लागत सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इसका सबसे बड़ा खतरा तेल आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था जुड चुका है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इसके बाद से ईरान ने जवाबी हमले शुरू किए थे। इस तरह से मंगलवार इस युद्ध का 11 वां दिन था। अब ईरान उन देशों को भी निशाना बना रहा है, जिनमें अमेरिकी सेना के अड्डे हैं। इस वजह से यह युद्ध कई देशों में फैल गया है। इस युद्ध की वजह से तेल-गैस के बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। इस युद्ध में ईरान, इजरायल और अमेरिका के अलावा साइप्रस, लेबनान, ईराक, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमिरात, सीरिया, कतर, ओमान भी शामिल हैं। यानि अप्रत्यक्ष रूप से इसका असर विश्व के अंतिम छोर तक के देशों में दिखाई पड़ेगा। यानि कोविड-19 कोरोनावायरस महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाला। 2020 के दौरान, विश्व का कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.4 प्रतिशत गिरा था। अब इस युद्ध ने विश्व को महाविनाशक अर्थव्यवस्था की ओर धकेल दिया है। ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका की भूमिका व्यापक है। अमेरिका ने ना सिर्फ इजरायल के साथ इस जंग में हिस्सा लिया है बल्कि उसकी सहायता ने जमीन पर समीकरण बदले हैं। अमेरिका ने ही इस युद्ध की दिशा को बदल दिया है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी सुपरपावर है, उसके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं। यही वजह है कि पिछले कई दशकों में जब दुनिया ने भीषण युद्ध देखे, अमेरिका ने उनमें अपनी अहम भूमिका अदा करते हुए अरबों-खरबों डॉलर खर्च किए। पहले विश्व युद्ध में अमेरिका का खुल खर्च 32 अरब डॉलर रहा था। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में लगभग 4.1 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए थे। इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर जो हमला किया है, उसकी आर्थिक कीमत बहुत बड़ी मानी जा रही है। उधर अमरीका में ही यह चर्चा शुरू हो चुकी है कि अमेरिकी सेना कुशल है, लेकिन युद्ध का अंतिम लक्ष्य अस्पष्ट है। यह सैनिकों के लिए खतरा है और प्रशासन की रणनीति लगातार बदल रही है। ट्रंप की सैन्य नीतियाँ तो और भी शानदार हैं। अमेरिकी सेना को फिर से महान बनाने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए। ड्रोन हमले बढ़ाए। सीरिया में बम गिराए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति का रातोंरात अपहरण कर लिया। युद्धजीवी पाकिस्तान को गोदी में बिठा लिया। ईरान को तबाह कर दिया। क्या यह शांति है ? इस युद्ध ने वेस्ट और मिडिल ईस्ट के देशों के लिए नई जियोपॉलिटिक्स की परिभाषा लिख दी है। वो ट्रंप के साथ भी नहीं रह सकते और उनके बिना भी नहीं रह सकते। युद्ध का अंत अमेरिकी सहयोगियों के लिए भी एक बारूदी सुरंग जैसा होगा। वहीं, खाड़ी में अमेरिका के प्रति लोगों का नजरिया बदलेगा, लेकिन ईरान के व्यवहार पर भी इसका असर पड़ेगा। ईरान युद्ध के नतीजे गंभीर और लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे दुनिया को बदलने की ओर इशारा कर रहे हैं। ट्रंप का खास तरीका है कि वे पहले से बने-बनाए ढांचों को तोड़ देते हैं, यह देखने से पहले कि टुकड़े कहां गिरेंगे और जीत का ऐलान करने का कोई तरीका ढूंढते हैं। मिडिल ईस्ट में यह तरीका लागू होने पर यह रणनीति बहुत ज्यादा रिस्की हो सकता है और साथियों के लिए इस युद्ध के अंजाम का अंदाजा लगाना नामुमकिन है।पश्चिम एशिया बारूद के ढेर पर है। इजराइल द्वारा ईरान के सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों पर व्यापक बमबारी के जवाब में ईरान की बहुस्तरीय प्रतिघात रणनीति ने संघर्ष को सीमित झड़प से क्षेत्रीय युद्ध की दिशा में धकेल दिया है। अब यह टकराव केवल दो देशों के बीच नहीं, बल्कि व्यापक त्रासदी का कारण बनता लग रहा है। दोनों पक्ष अपने-अपने नैरेटिव में आत्मरक्षा और निवारण का हवाला दे रहे हैं, किंतु परिणामस्वरूप युद्ध की परिधि बढ़ती जा रही है। बाजारों की घबराहट, तेल की कीमतें, शरणार्थी संकट और साइबर हमलों का जोखिम-सब मिलकर इसे वैश्विक चिंता का सबब बना रहे हैं।

## विधायक राजेश्वर सिंह नेजन्मदिन पर युवाओं को हेलमेट-लैपटॉप दिया, महिलाओं को सिलाई मशीन

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह बुधवार को अपना जन्मदिन आभार दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर क्षेत्र के युवाओं, छात्रों और महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। विधायक राजेश्वर सिंह अपने जन्मदिन को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यह आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को हेलमेट वितरित किए किए, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को लैपटॉप भी दिए गए, जिससे उन्हें पढ़ाई और तकनीकी शिक्षा में मदद मिल सके। छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बेहतर अध्ययन सुविधा देने के लिए लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई। कई जरूरतमंद युवाओं को साइकिल भी वितरित की गई, जिससे उन्हें स्कूल, कॉलेज या अन्य कार्यस्थलों तक पहुंचने में आसानी हो सके। आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई, ताकि वे घर पर रहकर भी रोजगार से जुड़ सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

# भोजन के बाद आलस और नींद से परेशान हैं? डॉक्टर ने बताया इससे बचाव का सटीक उपाय

भोजन के बाद अक्सर लोगों को नींद आती है और ऐसा होना सामान्य है। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि यह आदत धीरे-धीरे आपके मोटापे और पाचन संबंधी समस्या के जोखिम को बढ़ा देता है। इसलिए आइए इस लेख में इससे बचाव के उपाय के बारे में जानते हैं। अक्सर लोगों को ये परेशानी होती है कि भोजन करने के बाद उन्हें नींद आती है और आलस महसूस होने लगता है। भोजन करने के तुरंत बाद भारीपन, सुस्ती और नींद आना एक सामान्य समस्या लग सकती है, लेकिन यह आपके मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि भोजन के बाद का आलस, एसिडिटी और पेट फूलना दरअसल शरीर में बढ़ते ब्लड शुगर और इंसुलिन से जुड़ा हो सकता है। डॉक्टर शालिनी बताती हैं कि जैसे ही हम खाना खाते हैं, शरीर में ग्लूकोज का लेवल बढ़ने लगता है। अगर हम खाकर तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं, तो यह मांसपेशियां इस ग्लूकोज का उपयोग नहीं कर पाती हैं और फैट के रूप में आपके शरीर में जमा होने लगती हैं। इससे न सिर्फ वजन बढ़ता है, बल्कि पाचन प्रक्रिया धीमी होने के कारण एसिडिटी और गैस की समस्या भी होने लगती है। इससे बचने के लिए डॉक्टर शालिनी ने एक बेहद आसान और प्रभावी उपाय बताया है, जो आपकी शुगर स्पाइक को नियंत्रित कर आपको दिन भर ऊजार्वान बनाए रख सकती है।

**भोजन के बाद 'पोस्ट-मील वॉक' करें?**

डॉक्टर शालिनी के अनुसार भोजन के तुरंत बाद टहलने से आपकी मांसपेशियां बढ़ते हुए ग्लूकोज को सोख लेती हैं, जिससे इंसुलिन स्थिर रहता है।

यह आदत 'इंसुलिन रेजिस्टेंस' के जोखिम को कम करती है, जो टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे का सबसे बड़ा कारण है।

टहलने से आंतों की गतिशीलता बढ़ती है, जिससे भोजन जल्दी पचता है और भारीपन महसूस नहीं होता।

**टहलने का सही तरीका और समय**

डॉक्टर शालिनी बताती हैं कि खाने के मात्र 5 मिनट बाद ही टहलना शुरू कर देना चाहिए।

कुल 10-15 मिनट का टहलना पर्याप्त है, इसे बहुत लंबा खींचने की आवश्यकता नहीं है।

ध्यान रखें कि वॉक हमेशा 'स्लो' (धीमी) होनी चाहिए। अगर आप तेज चलेंगे, तो पाचन प्रक्रिया बाधित हो सकती है और पेट में दर्द महसूस हो सकता है।

**अगर ऑफिस में भोजन करते हैं तो क्या करें?**

अगर आप ऑफिस में हैं और बाहर टहलना संभव नहीं है, तो अपनी डेस्क के पास ही कदमताल कर सकते हैं।

यह छोटा सा व्यायाम भी आपके ब्लड शुगर को क्रैश होने से बचाएगा।

यह छोटी सी एक्टिविटी आपके लिवर और अग्न्याशय पर पड़ने वाले बोझ को काफी हद तक कम कर सकती है।

**डॉक्टर का सुझाव**

डॉक्टर शालिनी के मुताबिक ये छोटी सी आदत आपके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। आज भागदौड़ भरी जिंदगी में भोजन के बाद 15 मिनट खुद को देना आपके भविष्य की बड़ी बीमारियों को टाल सकता है। ये आदत आपके पाचन को भी ठीक रखता है और आपके वजन को भी कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

## घर बैठे कैसे सुधारें पंखा? ये टिप्स हैं आपके काम के

अगर आपका पंखा भी काफी आवाज कर रहा है तो आप बिना मैकेनिक को बुलाए खुद भी चेक कर सकते हैं। यहां हम आपको उसका सही तरीका बताएंगे। घर में पंखा चलते समय कर कर की आवाज करना अक्सर परेशान कर देता है।

यह सिर्फ शोर की समस्या नहीं है, बल्कि पंखे की उम्र और सुरक्षा के लिए भी चेतावनी हो सकती है। कई बार यह समस्या घिसे हुए बियरिंग, ढीले ब्लेड या मोटर में धूल जमने के कारण होती है। ज्यादातर लोग तुरंत मैकेनिक बुला लेते हैं, लेकिन छोटे घर में खुद कुछ आसान उपाय करके भी यह समस्या हल की जा सकती है। सही चेक और सफाई से पंखा लंबे समय तक बिना शोर के चल सकता है। इस आर्टिकल में हम बताएंगे कि कैसे बिना किसी खर्च के, खुद घर पर पंखे की आवाज की जांच करें, मुख्य कारण पहचानें और उसे सुधारें। इसके अलावा नियमित रखरखाव के टिप्स भी साझा किए जाएंगे, जिससे पंखा लंबे समय तक सुरक्षित और शांतिपूर्ण रूप से काम करे।

**सबसे पहले पंखा बंद करें और बिजली काटें**

सबसे पहले सुरक्षा के लिए पंखा बंद कर दें और स्विच ऑफ करके बिजली काट दें। ऐसा करना जरूरी है ताकि सफाई या चेकिंग के दौरान कोई शॉर्ट सर्किट या चोट न लगे। ऐसा न करने पर आपको दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

**अब ब्लेड और स्क्रू की जांच करें**

पंखे के ब्लेड ढीले होने पर या स्क्रू कमजोर होने पर भी कर-कर की आवाज आ सकती है। इसलिए लाइट कटने के बाद पंखे के सभी ब्लेड और स्क्रू को कसें और सुनिश्चित करें कि कोई भाग हिल न रहा हो।

**बियरिंग और मोटर में तेल लगाएं**

कई बार तो पंखे की बियरिंग घिस जाने से भी शोर आता है। ऐसे समय में हल्का इलेक्ट्रॉनिक ऑयल या मशीन ऑयल लगाकर बियरिंग को चिकना करें। मोटर के अंदर भी अगर धूल जमा हो तो हल्का तेल डालना मदद कर सकता है।

**धूल और गंदगी साफ करें**

ब्लेड, मोटर और माउंटिंग में धूल या गंदगी जम जाने से पंखे की गति पर असर पड़ता है और आवाज बढ़ जाती है। हल्के कपड़े, ब्रश या एयर ब्लोअर से पंखे को साफ करें। पंखे को कभी भी पानी से धोकर साफ न करें, ये मोटर को खराब कर सकता है।

**अब ऐसे करें फाइनल चेक**

सफाई और ऑइलिंग के बाद पंखा चालू करें। देखिए कि आवाज कम हुई या नहीं। अगर आवाज अभी भी आती है, तो कहीं कोई भाग ढीला या बियरिंग ज्यादा घिसी हो सकती है, जिसे बदलने की जरूरत है।

## रोज 20 मिनट करें ये एक्सरसाइज, लिवर रहेगा हेल्दी

फैटी लिवर को कंट्रोल करने के लिए वॉकिंग, जॉगिंग, साइक्लिंग, योग, प्लैंक, स्क्वैट्स और स्विमिंग जैसी एक्सरसाइज बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। नियमित शारीरिक गतिविधि से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है, मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और लिवर में जमा फैट धीरे-धीरे कम होने लगता है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में गलत खानपान, बैठे-बैठे काम करने की आदत और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। पहले यह बीमारी केवल उम्रदराज लोगों में देखी जाती थी, लेकिन अब युवा भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। फैटी लिवर तब होता है जब लिवर की कोशिकाओं में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। अगर समय रहते इसे नियंत्रित न किया जाए तो यह लिवर से जुड़ी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।अच्छी बात यह है कि नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसी 7 एक्सरसाइज, जो फैटी लिवर में मददगार साबित हो सकती हैं।

**तेज चलना**

तेज गति से चलना सबसे आसान और प्रभावी एक्सरसाइज मानी जाती है। ऐसा करने से शरीर की कैलोरी तेजी से बर्न होती है। वजन नियंत्रित रहता है और लिवर में जमा फैट कम होने में मदद मिलती है। रोज 30 मिनट तेज चलने की आदत डालें।

**जॉगिंग**

जॉगिंग यानी हल्की दौड़ शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करती है। यह वजन कम करने में सहायक है। इससे ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है और लिवर हेल्थ में सुधार आता है।

**साइक्लिंग**

साइक्लिंग एक शानदार कार्डियो एक्सरसाइज है जो पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। इससे पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है। कैलोरी बर्न होती है और लिवर पर दबाव कम होता है।

**स्क्वैट्स**

स्क्वैट्स शरीर के बड़े मसल ग्रुप को एक्टिव करते हैं। स्कैट्स के अभ्यास से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। फैट बर्न तेजी से होता है और शरीर की ताकत बढ़ती है। रोज 3 सेट में 10-15 स्कैट्स करें।

**प्लैंक**

प्लैंक कोर मसल्स को मजबूत बनाने वाली बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसके अभ्यास से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है। शरीर की स्थिरता बढ़ती है और यह फैट लॉस में सहायक है।योग शरीर और मन दोनों को संतुलित रखने में मदद करता है। रोजाना भुजंगासन, धनुरासन, कपालभाति का अभ्यास फैटी लिवर को कम करता है। ये योगासन पाचन और लिवर हेल्थ के लिए लाभकारी माने जाते हैं।

**स्विमिंग**

स्विमिंग एक फुल-बॉडी वर्कआउट है जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम करने में मदद करता है। रोज तैराकी से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। कैलोरी बर्न और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। फैटी लिवर से राहत मिल सकती है।

# बच्चों के लिए बनाएं लौकी की ऐसी डिश, मैगी -पास्ता भी भूल जाएंगे

बच्चों के लिए लौकी की टेस्टी डिश बनाने के लिए लौकी को कद्दूकस करके उसमें सूजी, दही, नमक, हल्दी और थोड़ा सा चीज मिलाकर बैटर तैयार करें। इसे तवे पर छोटे-छोटे पैनकेक की तरह सेंक लें। ऊपर से बटर और टोमैटो सॉस डालकर सर्व करें। यह हेल्दी और टेस्टी डिश बच्चों को मैगी और पास्ता से भी ज्यादा पसंद आएगी। आजकल ज्यादातर बच्चे मैगी, पास्ता और फास्ट फू* खाना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए उन्हें हेल्दी सब्जियां खिलाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। खासकर लौकी का नाम सुनते ही बच्चे नाक-मुंह बनाने लगते हैं। लेकिन अगर लौकी को थोड़ा अलग तरीके से बनाया जाए, तो वही सब्जी बच्चों की फेवरेट डिश बन सकती है। अगर आपका बच्चा लौकी खाने से मना करता है, तो एक बार लौकी का टेस्टी स्नैक्स जरूर ट्राय करें। आज हम आपको बताने जा रहे हैं लौकी का टेस्टी और हेल्दी चीला, जिसे खाने के बाद बच्चे मैगी और पास्ता भी भूल सकते हैं। यह रेसिपी इतनी स्वादिष्ट है कि बच्चे इसे मजे से खाएंगे और धीरे-धीरे हेल्दी सब्जियों की आदत भी पड़ जाएगी।

**लौकी खाने के फायदे**

लौकी सिर्फ स्वाद में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। अगर बच्चों को बचपन से ही लौकी की आदत डाल दी जाए, तो उनकी हेल्थ काफी अच्छी रह सकती है। लौकी के सेवन से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

**लौकी का टेस्टी चीला बनाने की सामग्री**

1 कप कद्दूकस की हुई लौकी
आधा कप सूजी
आधा कप दही
1 छोटा प्याज (बारीक कटा)
1 हरी मिर्च (बारीक कटी)
नमक स्वादानुसार
आधा छोटा चम्मच हल्दी
आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
थोड़ा सा कद्दूकस किया हुआ चीज
थोड़ा तेल या बटर

**लौकी का चीला बनाने की आसान विधि**

स्टेप 1 -सबसे पहले कद्दूकस की हुई लौकी को एक बाउल में लें।

स्टेप 2- इसमें सूजी, दही, प्याज, हरी मिर्च, नमक और मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

स्टेप 3- इस मिश्रण को 5 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सूजी फूल जाए।

स्टेप 4- अब तवा गर्म करें और थोड़ा सा तेल या बटर लगाएं।

स्टेप 5- तवे पर बैटर डालकर गोल चीले की तरह फैलाएं।

स्टेप 6- दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें।

स्टेप 7- ऊपर से थोड़ा चीज डालें और टोमैटो सॉस के साथ बच्चों को सर्व करें।

**बच्चों को क्यों पसंद आएगी ये डिश**

लौकी का चीला स्वाद में बहुत टेस्टी होता है।

बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट रहता है।

चीज की वजह से बच्चों को ज्यादा पसंद आती है।

हेल्दी भी और पेट भरने वाली भी डिश है।

टिप- अगर आप चाहें तो इसमें गाजर, शिमला मिर्च और कॉर्न भी मिला सकते हैं। इससे डिश और भी ज्यादा न्यूट्रिशियस और रंगीन बन जाएगी।

## इस बार शुभ दुर्लभ संयोग में होगी चैत्र नवरात्रि की शुरूआत, कलश स्थापना के बन रहे दो शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में 19 मार्च से 27 मार्च तक चलने वाली चैत्र नवरात्रि कई मायनों में बेहद खास मानी जा रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार नवरात्रि की शुरूआत ऐसे दुर्लभ संयोग के साथ हो रही है जो करीब 72 वर्षों बाद बन रहा है।

72 साल बाद बन रहा विशेष संयोग

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि 19 मार्च को सुबह 6 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 20 मार्च को तड़के 4

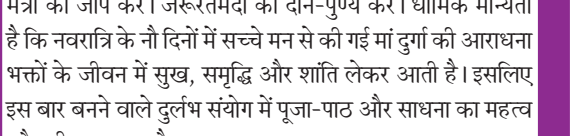

बजकर 50 मिनट तक रहेगी। हालांकि 19 मार्च को सूर्योदय अमावस्या में होगा, इसलिए पूरे दिन अमावस्या तिथि का प्रभाव माना जाएगा और इसी दिन से नवरात्रि का शुभारंभ होगा। करीब 72 साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है जब कलश स्थापना अमावस्या तिथि में की जाएगी। 19 मार्च को कलश स्थापना के लिए दो विशेष शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। पहला शुभ समय सुबह 6 बजकर 02 मिनट से 8 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। इसके बाद दूसरा मुहूर्त सुबह 9 बजकर 16 मिनट से 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

घटस्थापना का विशेष महत्व

अमावस्या का समय पितरों की शांति और आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष माना जाता है। इसलिए इस अवधि में दान-पुण्य, जप और पूजा करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। नवरात्रि का पहला दिन मां शैलपुत्री की पूजा से शुरू होता है। इसी दिन घरों और मंदिरों में घटस्थापना (कलश स्थापना) की जाती है, जिसे पूरे नवरात्रि पर्व की शुरूआत माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से कलश स्थापना करने और मां दुर्गा की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

क्या करें नवरात्रि में

घर में साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखें। मां दुर्गा के नौ रूपों की विधि-विधान से पूजा करें। दुर्गा सप्तशती या देवी मंत्रों का जाप करें। जरूरतमंदों को दान-पुण्य करें। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में सच्चे मन से की गई मां दुर्गा की आराधना भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आती है। इसलिए इस बार बनने वाले दुर्लभ संयोग में पूजा-पाठ और साधना का महत्व और भी बढ़ जाता है।

## कमाल का पौधा, महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए कई बीमारियों में कारगर

प्रकृति ने हमें कई ऐसे औषधीय पौधे दिए हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करते हैं। इन्हीं में से एक बेहद खास और लाभकारी पौधा है अशोक का पौधा। आयुर्वेद में इस पौधे का इस्तेमाल सदियों से कई तरह की बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता रहा है। खास बात यह है कि यह पौधा महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। अशोक के पेड़ की छाल, पत्ते और फूल औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

आयुर्वेदिक दवाओं में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है और कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद

अशोक का पौधा महिलाओं की सेहत के लिए बहुत उपयोगी माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यह मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करता है। जिन महिलाओं को पीरियड्स के दौरान तेज दर्द, अनियमित मासिक धर्म या ज्यादा ब्लीडिंग की समस्या होती है, उनके लिए अशोक की छाल से बनी दवा काफी लाभकारी मानी जाती है। इसके अलावा यह हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में भी मदद करता है। कई आयुर्वेदिक टॉनिक और दवाओं में अशोक का इस्तेमाल महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है।

पुरुषों के लिए भी लाभकारी

अशोक का पौधा केवल महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि पुरुषों के लिए भी फायदेमंद है। यह शरीर की ताकत और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे शरीर को मजबूत बनाने और कमजोरी दूर करने के लिए भी उपयोग किया जाता है। इसके अलावा यह शरीर में खून की कमी को दूर करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक माना जाता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

अशोक के औषधीय गुण पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं। अगर किसी को अपच, गैस या पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं तो अशोक से बनी आयुर्वेदिक दवाएं राहत दिला सकती हैं। यह पेट को साफ रखने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे शरीर स्वस्थ और ऊजार्वान बना रहता है।

## लोक अदालतः न किसी की जीत न किसी की हार, केवल सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। इस बार साल 2026 की पहली लोक अदालत लगने जा रही है। यदि अदालतों के चक्कर काटकर थक चुके हैं या किसी पुराने कानूनी विवाद से तुरंत छुटकारा पाना चाहते हैं तो 14 मार्च खास मौका है। देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। इस मंच पर आपसी सहमति के जरिए लंबे समय से लंबित मामलों को बहुत कम समय में सुलझाने का अवसर मिलता है। यहां कई विवादों का निपटारा मिनटों में कर दिया जाता है, जिससे लोगों को जल्दी न्याय मिलने में मदद मिलती है। लोक अदालत एक ऐसी जगह है जहां न तो किसी की जीत होती है और न ही किसी की हार बल्कि दोनों पक्ष सम्मानजनक समझौते के साथ हाथ मिलाते हैं। अब आप बैंक लोन रिकवरी, बिजली बिल विवाद, चेक बाउंस और छोटे-मोटे सिविल मामलों के लिए यह गोल्डन अवसर है, जहां बिना किसी कानूनी फीस के बोझ हल्का कर सकते हैं। किसी बैंक से लोन लिया है और किश्तें नहीं चुका पा रहे हैं तो ल यहां आकर वन टाइम सेटलमेंट के जरिए अपना खाता बंद करवा सकते हैं। बिजली और पानी से जुड़े पुराने बकाया बिलों या चोरी से संबंधित मामलों में भी इस दिन राहत मिल सकती है।

## जंग के अंत के लिए विशेष दुआ की अपील,जुमातुल विदा 13 मार्च को

लखनऊ (संवाददाता)। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के जिम्मेदारों की एक अहम्‌ मीटिंग इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फंरगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए मौलाना खालिद रशीद ने तमाम इमाम हजरात और अवाम से अपील की कि जो जंग चल रही है उसके जल्द से जल्द अंत के लिए जुमे की नामज में विशेष दुआयें करें। उन्होने यह भी अपील की कि इस जंग में जो निर्दोष मुसलमान शहीद हुए हैं उनके लिए और जंग के जो भयानक परिणाम हैं उससे भी हिफाजत के लिए विशेष दुआ करें। मोलाना ने संयुक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय लीडरों पर जोर दिया कि वह इंस जंग को रोकने के लिए हर सम्भव प्रयास करें ताकि पूरी दुनिया में अमन व अमान कायम हो सके। मौलाना ने कहा कि इंस जुंग से जरूरी चीजों जैसे गैस, पेट्रौल, डीजल की कीमतों में भयानक बढ़ौतरी या उन की कमी होने वाली है उसको भी राकने की भरपूर कोशिश करें। मौलाना ने अपने एक बयान में कहा कि शबे कद्र रमजानुल मुबारक की आखिरी दस ताक रातों में से एक बेहद बरकत वाली रात है, जो कुरआन पाक के मुताबिक एक हजार महीनों (तिरासी साल चार महीने) की इबादत से बेहतर है।

# प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती को पब्लिक से दूर रखने की वजह बताई

### बोलीं- 'अजनबी ने स्कूल से घर तक पीछा...'

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में बताया कि वह अपनी बेटी के बारे में लोगों की जिज्ञासा को समझती हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपनी बेटी मालती मैरी को सुरक्षित रखना है। प्रियंका और निक जोनस ने 2018 में शादी की थी। 2022 में सरोगेसी के जरिए उनकी बेटी मालती का जन्म हुआ। प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस को सार्वजनिक जीवन से दूर रखना चाहती हैं। उन्होंने हाल ही में एक पॉडकास्ट में इस फैसले का कारण बताया। प्रियंका और उनके पति निक जोनस अपनी बेटी की पर्सनल लाइफ और सुरक्षा को बहुत महत्व देते हैं। क्यों मालती को पब्लिक से दूर रखती हैं प्रियंका प्रियंका ने 'नॉट स्किनी बट नॉट फैट' पॉडकास्ट में बताया कि जैसे-जैसे मालती बड़ी हो रही है, वह उसे ज्यादा छिपाकर रखने की कोशिश कर रहे हैं। वह चाहती हैं कि मालती आम जीवन जी सके, बिना किसी डर के। वह नहीं चाहते कि लोग उसकी तस्वीरें या वीडियो बिना इजाजत के बनाएं। प्रियंका ने बताया एक किस्सा इस दौरान प्रियंका ने एक घटना का जिक्र किया, जिसमें एक अजनबी व्यक्ति स्कूल से घर लौटते समय मालती का पीछा कर रहा था और उसका वीडियो बना रहा था। इसी वजह से जब भी मालती बाहर जाती हैं सुरक्षा गार्ड उनके साथ रहते हैं। प्रियंका कहती हैं कि उन्होंने खुद सार्वजनिक जीवन चुना है, लेकिन बेटी को यह फैसला खुद लेने का हक मिलना चाहिए। लोगों की एक्साइटमेंट अच्छी है, लेकिन सुरक्षा सबसे पहले आती है। 'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका हाल ही में उनकी फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज हुई, जो समुद्री डाकुओं पर आधारित एक्शन फिल्म है। अब प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। यह एक टाइम-ट्रैवल एडवेंचर फिल्म है। इसका बजट लगभग 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

## पंकज कपूर का खुलासा, जब खुली किताब की कहानी ने क्यों कर दिया था उन्हें तुरंत राजी?

वरिष्ठ अभिनेता पंकज कपूर ने हाल ही में खुलासा किया कि आखिर उन्होंने फिल्म जब खुली किताब के लिए हाँ क्यों कहा। अपने किरदारों को चुनने में बेहद चयनात्मक माने जाने वाले पंकज कपूर ने बताया कि इस फिल्म की मजबूत स्क्रिप्ट और निर्देशक की साफ सोच ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। निर्देशक शौरभ शुक्ला की इस फिल्म में डिमप्पल कपाडिया




और अपार शक्ति खुराना भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म अपनी संवेदनशील कहानी और दमदार अभिनय के कारण दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया हासिल कर रही है। जब खुली किताब एक ऐसे वैवाहिक रिश्ते की कहानी है, जिसमें विश्वास की नाजुक परतों को बारीकी से दिखाया गया है। फिल्म यह सवाल भी उठाती है कि जब कोई छिपा हुआ सच सामने आता है, तो उसका असर सिर्फ पति-पत्नी ही नहीं बल्कि पूरे परिवार पर कैसे पड़ता है। फिल्म की इसी गहराई और संवेदनशील विषय ने दर्शकों का ध्यान खींचा है और इसे लेकर सकारात्मक चर्चा भी हो रही है। नए प्रोजेक्ट चुनने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए पंकज कपूर ने बताया कि वह ज्यादातर अपने इंट्यूशन यानी अंतर्ज्ञान के आधार पर फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा, मैं बस अपनी उस भावना के आधार पर फैसला करता हूँ जो मुझे स्क्रिप्ट पढ़ते समय और निर्देशक से मिलने के बाद महसूस होती है- कि वह कहानी को किस तरह समझते हैं और मुझे उसका हिस्सा क्यों बनाना चाहते हैं। अगर मुझे लगता है कि किरदार और कहानी दोनों ही काबिल हैं, तो मैं उसका हिस्सा बन जाता हूँ। पंकज कपूर ने यह भी बताया कि फिल्म की थीम ने उन्हें एक अभिनेता के तौर पर गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा, यह सवाल भरोसे का है। और मुझे लगता है कि भरोसा एक बहुत मानवीय भावना है। उनके मुताबिक, यही मानवीय भावनाएं किसी कहानी को दर्शकों से जोड़ने का काम करती हैं। रिश्तों, ईमानदारी और छिपे हुए सच के परिणामों को दिखाने वाली यह भावनात्मक कहानी दर्शकों को लगातार प्रभावित कर रही है। फिल्म ह्लजब खुली किताबह्व फिलहाल जी5 पर स्ट्रीम हो रही है, जहां दर्शक इसे देख सकते हैं।

## शाश्वत सचदेव ने की रणवीर सिंह की तारीफ, बोले-उनकी एक्टिंग में होती है दार्शनिक गहराई...

फिल्म धुरंधर में अपने दमदार अभिनय को लेकर अभिनेता तंदअममतै पदही इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। फिल्म इंडस्ट्री के कई दिग्गज उनके काम की सराहना कर चुके हैं और अब राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार व निमार्ता शाश्वत सचदेव ने भी उनकी एक्टिंग की खुलकर तारीफ की है। अपनी कलात्मक समझ और अलग तरह के संगीत के लिए पहचाने जाने वाले शाश्वत सचदेव ने रणवीर के अभिनय की उस खासियत के बारे में बात की, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है। उनके मुताबिक, रणवीर सिर्फ अभिनय नहीं करते बल्कि अपने किरदारों में एक खास तरह की सोच और भावनात्मक गहराई भी जोड़ते हैं। फिल्म में रणवीर के अभिनय पर बात करते हुए शाश्वत



सचदेव ने कहा, क्या आपको नहीं लगता कि रणवीर जिस तरह फिल्म में अपने किरदार को समझते और निभाते हैं, उसमें कुछ बहुत खास है? अगर रणवीर की जगह कोई और होता तो वह भी उतनी ही मेहनत करता, उतना ही अभ्यास करता और यहां तक पहुंचने के लिए संघर्ष करता। लेकिन जब आप रणवीर को देखते हैं तो हम उन्हें इसलिए सराहते हैं क्योंकि एक कलाकार के रूप में वह अपने अभिनय में एक दार्शनिक सोच और गहराई लेकर आते हैं। शाश्वत के इस बयान से साफ है कि वह मानते हैं कि हर कलाकार अपने काम के लिए मेहनत करता है, लेकिन रणवीर अपने किरदारों में एक अलग दृष्टिकोण और गहराई जोड़ देते हैं। यही वजह है कि उनका अभिनय केवल तकनीक या मेहनत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दर्शकों पर गहरा असर छोड़ता है। पिछले कई सालों में तंदअममतै पदही ने ऐसे कई किरदार निभाए हैं, जिन्होंने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को प्रभावित किया है। अपने किरदारों के लिए उनकी जबरदस्त तैयारी, तीव्रता और निडर अंदाज उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे प्रभावशाली अभिनेताओं में शामिल करता है। यही वजह है कि फिल्म धुरंधर को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म धुरंधर के पहले भाग ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए थे। अब इसके दूसरे भाग को लेकर भी दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। फिल्म की अगली कड़ी की तैयारी शुरू हो चुकी है और माना जा रहा है कि रणवीर सिंह एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार प्रदर्शन करते नजर आएंगे।

## अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक, चार साल में सोहेल कथूरिया से टूटी शादी

सेलेब्रिटीज के तलाक की लिस्ट में अब एक नाम अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का भी जुड़ गया है। हंसिका का पति सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। काफी वक्त से उनकी शादी में दरार की खबरें आ रही थीं। अब इस पर मुहर लग गई है। मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने हंसिका और सोहेल का तलाक फाइनल कर दिया है। दोनों की शादी सिर्फ चार साल तक ही चल सकी। कपल का इस शादी से कोई बच्चा नहीं है। हंसिका ने बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से 4 दिसंबर 2022 को धूमधाम से



शादी की थी। मगर उनकी शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। शादी के 3 साल बाद से ही उनकी मैरिड लाइफ में उथल-पुथल होने की खबरें आने लगी थीं। सोहेल की हंसिका के साथ ये दूसरी शादी थी। हंसिका की बेस्ट फ्रेंड रिंकी बजाज संग उन्होंने पहली शादी की थी। हालांकि, सोहेल और हंसिका के तलाक की मुख्य वजह अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन उनकी शादी में दिक्कतें पिछले लगभग दो साल से बनी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों जुलाई 2024 से ही अलग रह रहे हैं। इस दरमियान घरवालों ने दोनों की शादी को बचाने का काफी प्रयास भी किया, लेकिन वो सफल नहीं हो सके। अंततः दोनों का तलाक हो गया। ये तलाक आपसी सहमति से हुआ है। छोटी-छोटी बातों पर होता था झगड़ा हंसिका ने तलाक लेते हुए अपने एलिमनी अमाउंट के लिए कोई दावा नहीं किया है। कोर्ट की सुनवाई के दौरान, मोटवानी के वकील अदनान शेख ने बताया कि शादी के बाद कपल कुछ दिनों तक साथ रहा। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि उनके नेचर, सोच और लाइफस्टाइल में बहुत फर्क है। इससे झगड़े होने लगे। छोटी-छोटी बातों पर रोज झगड़ा होता था और एक छत के नीचे रहना उनके लिए मुश्किल हो गया था। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की करियर की शुरूआत हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। वो बच्चों के लोकप्रिय टीवी सीरियल शा का ला का बूम बूम में भी नजर आई थीं। इसीसे उन्हें पहचान मिली। इसके बाद वो ऋतिक रोशन की कोई मिल गया में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ही नजर आईं। बाद में उन्होंने 2007 में साउथ की फिल्म देसमुदुरु से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में वो अल्लू अर्जुन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं।

# बाहुबली से सुपरस्टार बनने के पहले भी प्रभास बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्मों से धमाल मचा रहे थे







बाहुबली ने भले ही प्रभास को पूरे भारत में बड़ा स्टार बना दिया, लेकिन उससे पहले भी उनकी कई फिल्में बड़ी हिट रही थीं। डार्लिंग, वर्षम जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और दर्शकों में उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। प्रभास आज भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और जबरदस्त फैन फॉलोइंग की वजह से उनकी फिल्में अक्सर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बनाती हैं। बाहुबली फ्रेंचाइजी ने भारतीय सिनेमा के कलेक्शन का स्तर ही बदल दिया और पैन-इंडिया फिल्मों का नया दौर शुरू किया। आज बड़ी कमाई और बड़े हिट्स आम बात बन चुकी है, लेकिन इस ट्रेंड को शुरू करने वाले शुरूआती सितारों में प्रभास भी शामिल थे। असल में बाहुबली से पहले ही उनकी कई फिल्में सिनेमाघरों में सफल हो चुकी थीं, जिनसे साबित हुआ कि वह पहले से ही दर्शकों को थिएटर तक खींचने की ताकत रखते थे। इस फिल्म में प्रभास के साथ त्रिशा कृष्णन थीं। रोमांस और एक्शन से भरी इस फिल्म की कहानी, संगीत और प्रभास की दमदार एक्टिंग ने इसे बड़ी हिट बना दिया।

आदवी रामुडु

इस फिल्म में प्रभास और आरती अग्रवाल नजर आए। एक्शन, रोमांस और फैमिली ड्रामा के मिश्रण वाली इस फिल्म में प्रभास की एनर्जेटिक परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

डार्लिंग

प्रभास और काजल अग्रवाल की यह रोमांटिक फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई। मजेदार और भावुक लव स्टोरी, साथ ही दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने फिल्म को हिट बना दिया।

छत्रपति

एस. एस. राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास ने शिवाजी नाम के किरदार को निभाया, जो अन्याय के खिलाफ लड़ता है। फिल्म की कहानी और प्रभास की ताकतवर एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा।

मिस्टर परफेक्ट

इस फिल्म में प्रभास के साथ काजल अग्रवाल और तापसी पन्नू थीं। कहानी एक ऐसे इंसान की है जो हर चीज में परफेक्शन चाहता है, लेकिन बाद में प्यार और समझौते की अहमियत समझता है। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही।

बिल्ला

इस एक्शन थ्रिलर में प्रभास डबल रोल में नजर आए। अनुष्का शेट्टी और नमिता भी फिल्म में थीं। स्टाइलिश प्रेजेंटेशन और प्रभास की करिश्माई एक्टिंग ने इसे दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय बना दिया।

रेबल

तमन्ना भाटिया और दीक्षा सेठ के साथ प्रभास की यह हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म थी। इसके स्टाइलिश एक्शन, दमदार म्यूजिक और प्रभास की स्क्रीन प्रेजेंस ने उनकी मास अपील को और मजबूत किया।

# जुनैद खान और साई पल्लवी की एक दिन का ट्रेलर रिलीज, फैंस बोले, प्यारी लव स्टोरी




हफ्तों के बढ़ते इंतजार के बाद, आमिर खान प्रोडक्शंस ने आखिरकार फिल्म श्एक दिनश् का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरूआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है। ट्रेलर में जुनैद खान एक फॉर्च्यून बेल (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बजाने पर सच्चे प्यार की मुराद पूरी होती है। जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साई पल्लवी के किरदार श्मीराश् की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं कि काश वो उनकी हो जाए। वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए। ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है। स्क्रीन पर ये दोनों साथ में बहुत ही फ्रेश और एक्साइटिंग लग रहे हैं, और उनके बीच का सहज अंदाज हर सीन में एक जादू सा पैदा कर रहा है। यह एक ऐसी केमिस्ट्री है जिसे शब्दों में बताना मुश्किल है, लेकिन देखते वक्त इसे बखूबी महसूस किया जा सकता है। दोनों किरदारों के बीच का अंतर साफ नजर आता है। जुनैद एक प्यारे और थोड़े झिझकने वाले लड़के के रूप में दिख रहे हैं, जो अपने रोल में मासूमियत और सादगी लेकर आए हैं, वहीं साई पल्लवी कॉन्फिडेंट और शांत नजर आ रही हैं। यह कॉन्ट्रास्ट उनकी केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प और ऐसा बनाता है जिससे लोग खुद को जोड़ सकें, जिससे उनकी कहानी देखने में और भी मजेदार लगती है। यह फिल्म एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी का वादा करती है, जो आजकल के बॉलीवुड में काफी कम देखने को मिलती है। इसकी कहानी कहने के अंदाज में एक पुराना आकर्षण और इमोशनल ईमानदारी है, जो दर्शकों को उन रोमांटिक फिल्मों की याद दिलाती है जिन्होंने कभी इस जॉनर की पहचान बनाई थी। मेकर्स ने अब तक जो भी कंटेंट रिलीज किया है, उसने फिल्म को लेकर पहले ही काफी जबरदस्त चर्चा और उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म का टाइटल ट्रैक, जो कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और जिसे अरिजीत सिंह के होमटाउन में शूट किया गया है, उसे दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला।

## राजधानी में मार्च में छाया घना कोहरा, विजिबिलिटी कम होने से 6 फ्लाइट रद्द

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बुधवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। घना कोहरा छा गया, जिससे लोगों को मार्च में भी सर्दियों जैसा अनुभव हुआ। विजिबिलिटी कम होने के चलते 6 फ्लाइट कैंसिल, 3 लेट और 1 दिल्ली डायवर्ट हुई। स्थानीय लोग इस असामान्य मौसमी बदलाव से हैरान हैं। क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि मार्च के महीने में इस तरह का कोहरा शायद ही कभी देखने को मिलता है। कोहरा घना था, लेकिन आमतौर पर कोहरे के समय महसूस होने वाली ठंड उतनी नहीं थी। सुबह के समय कोहरे के कारण विजिबिलिटी काफी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी। किसानों की चिंता बढ़ गई है। दशहरी आम के लिए प्रसिद्ध मलिहाबाद क्षेत्र में इस समय आम के पेड़ों पर बौर आ चुका है। किसानों का कहना है कि मौसम में इस तरह अचानक बदलाव और कोहरा पड़ने से आम की फसल को नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है। नमी और मौसम की अनिश्चितता के कारण बौर झड़ने या कीट-रोग लगने का खतरा बढ़ सकता है, जिससे आम का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। बुधवार सुबह अचानक छाए घने कोहरे के कारण विमान संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। विजिबिलिटी कम होने के चलते 6 फ्लाइट कैंसिल, 3 लेट और 1 डायवर्ट हुई। इसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, सुबह 8.05 बजे हैदराबाद से लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 608) कम विजिबिलिटी के कारण लखनऊ एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से लैंडिंग की अनुमति न मिलने पर इसे दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया।

# तेल अवीव के सैन्य ठिकानों पर तीन घंटों तक दागीं मिसाइलें

### इस्त्राइली ने भी दिया जवाब

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान की आईआरजीसी ने अपने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 की 37वीं लहर में इरबिल, बहरीन और इस्त्राइल के सैन्य ठिकानों पर तीन घंटे तक लगातार मिसाइलें दागीं। इसमें खेबर शेकन, कद्र और खोर्रमशहर जैसी भारी मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इस हमले से क्षेत्र में तनाव और सुरक्षा हालात गंभीर हो गए हैं। पश्चिम एशिया में पिछले 12 दिनों से जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने जारी प्रतिशोधी अभियान 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की नई लहरें शुरू करने की घोषणा की है। आईआरजीसी ने बताया कि मंगलवार देर रात इसे लॉन्च किया गया और इसे 37वीं लहर कहा गया। इस हमले में तीन घंटे से ज्यादा समय तक लगातार कई प्रकार की मिसाइलें दागी गई, जिनमें सबसे भारी मिसाइलें भी शामिल थीं। आईआरजीसी के अनुसार इस बार के हमले में लक्ष्य इराक के कुर्दिस्तान में इरबिल, बहरीन में अमेरिकी नौसेना की फिफ्थ फ्लीट, इस्त्राइल में बेएर याकोव और तेल अवीव के सैन्य केंद्र था। इसके साथ ही इन हमलों में खेबर शेकन, कद्र और खोर्रमशहर मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इस्त्राइल की सेना ने जवाबी कार्रवाई की ईरान के इन हमलों के जवाब में इस्त्राइल ने भी करारा जवाब दिया। इस्त्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया कि ईरान ने लगभग 300 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं, जिनमें से अधिकतर क्लस्टर बम के साथ थीं। ये बम विस्फोट होने पर कई छोटे विस्फोटक हिस्सों में टूट जाते हैं और 10 किलोमीटर तक फैल सकते हैं। आईडीएफ के अनुसार अधिकांश मिसाइलें इंटरसेप्ट कर दी गई, लेकिन एक बड़ा बम बीट शेमेश के बाहर फटा, जिससे कोई घायल नहीं हुआ। मिसाइल हमलों से हुई तबाही ईरान के मिसाइल हमलों में इस्त्राइल में 12 लोग मारे गए और 2,000 से अधिक घायल हुए, यह जानकारी इस्त्राइल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने दी। दूसरी ओर आईडीएफ ने लेबनान में हिजबुल्ला से जुड़े अल-कारद अल-हसन संगठन के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। यह संगठन हथियार खरीदने और आतंकवादियों को वेतन देने में शामिल था। साथ ही, इस्त्राइल ने हिजबुल्ला के 'नासर' यूनिट के कमांडर हसन सालामेह को ज्वाया इलाके में एक सटीक हवाई हमले में मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार सालामेह संगठन में कई अहम पदों पर काम कर चुका था।

## वेस्ट गारो हिल्स में 13 मार्च तक के लिए बढ़ा कर्फ्यू, जिले में स्थानीय परिषद के चुनाव टले

**मेघालय (एजेंसी)।** मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स में पुलिस फायरिंग में दो लोगों की मौत के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। प्रशासन ने कर्फ्यू 13 मार्च सुबह 12 बजे तक बढ़ाया और मोबाइल इंटरनेट बंद रखा। तुरा व चिबिनंग में सेना समेत अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। मेघालय में पुलिस फायरिंग में दो लोगों की मौत के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए कर्फ्यू दो दिन के लिए बढ़ा दिया। मंगलवार को मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स ज़िले में दो ग्रुप्स के बीच झड़प के दौरान पुलिस फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी ने बताया जिले में मोबाइल इंटरनेट सर्विस पर रोक जारी रहेगी। कर्फ्यू 13 मार्च को सुबह 12 बजे तक रहेगा। राज्य में आर्मी समेत और सिक्योरिटी फोर्स तैनात की गई हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने हिंसा को देखते हुए गारो हिल्स के स्थानीय परिषद के चुनावों को टालने का एलान किया है। पहले यह चुनाव 10 अप्रैल को होने वाले थे। मंगलवार को गारो हिल्स में स्थानीय परिषद चुनावों चुनाव के नामांकन हो रहा था। प्रक्रिया के दौरान ट्राइबल और नॉन-ट्राइबल ग्रुप्स के बीच झड़प के दौरान पुलिस फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई थी उपायुक्त वी अग्रवाल ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कर्फ्यू 13 मार्च को सुबह 12 बजे तक बढ़ा दिया गया है। एक और अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन का मदद के लिए सेना की पांच टुकड़ियां तैनात की गई हैं। तीन टुकड़ियां मंडल मुख्यालय, तुरा शहर में तैनात की गई हैं, जबकि दो टुकड़ियां चिबिनंग में तैनात की गई हैं।

# अमेरिका ने तबाह किए ईरान के 16 माइन बिछाने वाले जहाज

### ट्रंप ने चेतावनी भी दी

**अमेरिका (एजेंसी)।** क्या हॉर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति को खतरे में डाल सकता है? अमेरिका ने ईरान की 16 माइन बिछाने वाली नौकाओं को नष्ट कर दिया है और हमले का वीडियो भी जारी किया गया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्र में बड़ी सैन्य कार्रवाई का दावा किया है। अमेरिकी सेना के अनुसार, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान की कई नौकाओं को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया, जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (नैवल माइन) बिछाने के लिए किया जा सकता था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (उएठळउडट) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अमेरिकी बलों ने ईरान की कई नौसैनिक नौकाओं पर हमला किया, जिनमें 16 माइन बिछाने वाली नावें शामिल थीं। कमांड ने इस कार्रवाई का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें समुद्र में किए गए हमलों के दृश्य दिखाई देते हैं। ईरान को दी सख्त चेतावनी ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हॉर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की समुद्री माइन बिछाई गई हैं तो उन्हें तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो अमेरिका की सैन्य प्रतिक्रिया बेहद कठोर हो सकती है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान संभावित रूप से लगाए गए विस्फोटकों को हटा देता है तो इससे

क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जाएगा। खुफिया रिपोर्ट में माइन बिछाने की आशंका अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में समुद्री बारूदी सुरंगें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि संभव है कि सीमित संख्या में माइन पहले ही पानी में डाली जा चुकी हों। ब्रिटेन का दावा- यूएई के पास कंटेनर जहाज पर हमला, चालक दल सुरक्षित यूके समुद्री संगठन (वडटळड) ने यूएई के रास अल खैमा से उत्तर-पश्चिम में 25 समुद्री मील दूर एक घटना की जानकारी दी है। यूकेएमटीओ के अनुसार, एक कंटेनर जहाज के मास्टर ने बताया कि जहाज को किसी अज्ञात प्रक्षेप्य से नुकसान पहुंचा है। नुकसान का पूरा आकलन अभी नहीं हुआ है और इसे जहाज के चालक दल द्वारा जांचा जा रहा है। मास्टर ने यह भी बताया कि जहाज पर सभी चालक दल सुरक्षित हैं और उनकी संख्या पूरी है। वडटळड ने कहा कि समुद्री जहाजों को सतर्कता बरतते हुए यात्रा करने की सलाह दी जाती है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट यूकेएमटीओ को करनी चाहिए, जबकि अधिकारियों द्वारा इस घटना की जांच जारी है। दुनिया के लिए बेहद अहम है हॉर्मुज जलडमरूमध्य हॉर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक स्तर पर कारोबार होने वाले कुल तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हर दिन इसी रास्ते से गुजरता है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह का सैन्य तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बड़ा असर डाल सकता है। जहाजों के लिए बढ़ा जोखिम पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बाद से विशेषज्ञों ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक जहाजों के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। ईरान की नौसेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाया जा सकता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव आने वाले दिनों में वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

## 3.95 करोड़ रुपये के इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, बीजापुर और दंतेवाड़ा के 67 नक्सली भी शामिल

**छत्तीसगढ़ (एजेंसी):** 31 मार्च की डेडलाइन से पहले छत्तीसगढ़ में 3.95 करोड़ के इनामी 108 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा समेत कई जिलों में विभिन्न रैंक के माओवादी शामिल हैं। देश में 31 मार्च तक नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे की डेडलाइन करीब आ रही है। माओवादियों में भी आत्मसमर्पण करने की होड मच गई है। छत्तीसगढ़ में 3.95 करोड़ रुपये के इनामी 108 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें बीजापुर और दंतेवाड़ा के 67 नक्सली भी शामिल हैं। रैंक की बात करें तो बीजापुर में डीवीसीएम रैंक के तहत दो नक्सली, पीपीसीएम रैंक में 4, एसीएम में 9 और पीएम रैंक वाले 22 नक्सलियो ने सरेंडर किया है। कुल 37 नक्सलियों पर 106 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। नारायणपुर में डीवीसीएम रैंक के तहत एक नक्सली, सीवाईपीसीएम का एक, पीपीसीएम का एक और पीएम रैंक वाले दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन पर 22 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। बस्तर में डीवीसीएम रैंक का 1, पीपीसीएम के पांच, एसीएम के तीन और पीएम रैंक वाले सात नक्सलियों ने सरेंडर किया है। कुल 16 नक्सलियों पर 99 लाख रुपये का इनाम है। कांकेर में डीवीसीएम रैंक का एक, एसीएम और पीएम रैंक में एक एक नक्सली ने सरेंडर किया है। कुल तीन नक्सलियों पर 14 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। सुकमा में सीवाईपीसीएम रैंक वाले दो, पीपीसीएम रैंक में छह, एसीएम में पांच पीएम रैंक में 18 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन सभी पर 85 लाख रुपये का इनाम रखा गया है।

## स्विट्जरलैंड में बर्न के पास बस में लगी आग, छह लोगों की मौत; तीन गंभीर रूप से घायल

**जिनेवा (एजेंसी)।** स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पास केरजर्स में एक बस में भीषण आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के

पास एक दर्दनाक हादसे में क्षेत्रीय बस में आग लगने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के मुताबिक यह हादसा मंगलवार शाम बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम स्थित केरजर्स कस्बे में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। पूरी तरह आग की लपटों में घिरी बस फ्रिबर्ग कैंटन के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि शुरूआती जांच में इस घटना के पीछे किसी स्वैच्छिक कृत्य की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मामले की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय सरकार ने एक बयान में कहा कि जब बचाव दल मौके पर पहुंचे तो बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थी और अंदर मौजूद लोगों को बचाना बेहद मुश्किल हो गया था। घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया पुलिस के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा दो अन्य लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। राष्ट्रीय डाक सेवा से जुड़ी कंपनी की बस जिस बस में आग लगी वह पोस्टबस द्वारा संचालित क्षेत्रीय परिवहन बस थी।

# एपस्टीन से संबंधों पर घिरे पीटर मंडेलसन; अमेरिका में राजदूत बनाने के फैसले की फाइलें आज जारी करेगा ब्रिटेन

**लंदन (एजेंसी)।** अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मंडेलसन की अमेरिका में नियुक्ति से जुड़ी फाइलों को आज ब्रिटिश सरकार जारी करेगी। इस पूरे मामले ने पीएम स्टार्मर के लिए राजनीतिक मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। उन्होंने सितंबर में मंडेलसन को पद से हटा दिया था, लेकिन विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि एपस्टीन से संबंध सामने आने के बाद भी उन्हें पहले अमेरिका में इतना अहम राजनयिक पद क्यों दिया गया। ब्रिटेन सरकार बुधवार को उन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने जा रही है, जिनमें लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीटर मंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने के फैसले से जुड़ी जानकारी है। यह फैसला उस समय लिया गया था जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत हुई थी। अब इन फाइलों को इसलिए जारी किया जा रहा है क्योंकि मंडेलसन के यौन अपराधी जफरी एपस्टीन से संबंधों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है और पुलिस इस मामले में संभावित भ्रष्ट्राचार की जांच कर रही है। मंडेलसन ने सभी आरोपों से किया है इनकार बता दें कि, ब्रिटिश सांसदों के दबाव के बाद प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर की सरकार को हजारों दस्तावेज सार्वजनिक करने पड़ रहे हैं। सरकार का कहना है कि इन फाइलों

से यह भी सामने आ सकता है कि मंडेलसन ने अधिकारियों को एपस्टीन के साथ अपने संबंधों की वास्तविक सीमा के बारे में सही जानकारी नहीं दी थी। हालांकि मंडेलसन ने पहले किसी भी तरह की गलत हरकत से इनकार किया है और उन पर यौन दुराचार का कोई आरोप नहीं है। गिरफ्तारी के बाद बिना शर्त रिहा किए गए मंडेलसन 72 वर्षीय मंडेलसन को 23 फरवरी को लंदन स्थित उनके घर से 'पब्लिक ऑफिस में कदाचार' के संदेह में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें बिना जमानत शर्तों के रिहा कर दिया गया। पुलिस की जांच अभी जारी है। सरकार का कहना है कि दस्तावेजों का पहला हिस्सा बुधवार दोपहर जारी किया जाएगा और बाकी फाइलें चरणबद्ध तरीके से सामने आएंगी। संसद की इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी कमेटी इन दस्तावेजों की समीक्षा कर रही है, जबकि पुलिस ने सरकार से कहा है कि ऐसी फाइलें फिलहाल जारी न की जाएं जो जांच को प्रभावित कर सकती हैं। इस विवाद को और हवा तब मिली जब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जनवरी में जारी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में संकेत मिला कि 2008 की आर्थिक मंदी के समय ब्रिटेन के बिजनेस सेक्रेटरी रहते हुए मंडेलसन ने एपस्टीन को बाजार से जुड़ी संवेदनशील सरकारी जानकारी भेजी थी। इन दस्तावेजों में यह भी संकेत मिला कि उन्होंने बैंकर्स के बोनस पर लगाए गए टैक्स को कम कराने के लिए सरकार के अन्य सदस्यों से पैरवी करने की बात एपस्टीन से कही थी।

## 'हम पर हमला हो रहे, ऐसे में मध्यस्थ नहीं बन सकते', ईरान के हमलों के बीच कतर का बड़ा बयान

**दोहा (एजेंसी)।** ईरान के हमलों के बीच कतर ने कहा कि मौजूदा हालात में वह ईरान और पश्चिम के बीच मध्यस्थ नहीं बन सकता। दोहा में संभावित हमले को लेकर चेतावनी भी जारी की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर ने साफ कहा है कि मौजूदा हालात में वह ईरान और पश्चिमी देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकता। कतर का कहना है कि जब वह खुद हमलों का सामना कर रहा है, तब इस तरह की जिम्मेदारी निभाना संभव नहीं है। कतर के विदेश मामलों के राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कतर द्वारा एक साक्षात्कार में यह बात कही। अल-खुलैफी ने कहा कि कतर और ओमान लंबे समय से ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद स्थापित करने की कोशिश करते रहे हैं। इन प्रयासों का

मकसद क्षेत्र में तनाव कम करना और बातचीत के रास्ते खोलना था। उन्होंने कहा हम पर हमले हो रहे हों तो हम मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकते। ईरान को यह समझने की जरूरत है। क्षेत्र के देश ईरान के दुश्मन नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि ईरान इस बात को नहीं समझ रहा। कतर में हमले की आशंका, जनता को चेतावनी इसी बीच कतर ने बुधवार सुबह अपने नागरिकों को संभावित ईरानी हमले को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार के अनुसार, राजधानी दोहा में कई धमाकों की आवाज सुनी गई। बताया गया कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने शहर के ऊपर आने वाली मिसाइलों को रोकने के लिए कार्रवाई की। दुबई एयरपोर्ट के पास दो ड्रोन मार गिराए गए वहीं दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) के पास दो ड्रोन गिराए जाने की घटना सामने आई है।

# 'ईरानी दूतावास को सौंपे जाएं अमेरिकी हमले में मारे गए लोगों के शव'

### अदालत का आदेश

**कोलंबो (एजेंसी)।** श्रीलंका की अदालत ने अमेरिकी हमले में मारे गए 84 ईरानी नागरिकों के शव ईरान के दूतावास को सौंपने का आदेश दिया है। ये शव फिलहाल गाले राष्ट्रीय अस्पताल में रखे गए हैं। हमले में बचे 32 लोगों को अस्पताल से छुट्टी देकर सैन्य ठिकाने पर भेज दिया गया है, जबकि दूसरा ईरानी जहाज इंजन खराबी के कारण कोलंबो के बाहर खड़ा है। श्रीलंका की एक अदालत ने बुधवार को को आदेश दिया कि अमेरिकी हमले में मारे गए 84 ईरानी नागरिकों के शवर ईरान के दूतावास को सौंप दिए जाएं। इन शवों को फिलहाल गाले राष्ट्रीय अस्पताल के दो फ्रीजर कंटेनर्स में रखा गया है। गाले के मुख्य मजिस्ट्रेट समीर दोडांगोडा ने अस्पताल के निदेशक को आदेश दिया कि सभी शव ईरान के दूतावास को सौंप दिए जाएं। यह आदेश गाले हार्बर पुलिस के अनुरोध पर जारी किया गया। हमले में कैसे डूबा ईरानी युद्धपोत? पिछले बुधवार को श्रीलंका

ने बताया था कि अमेरिकी पनडुब्बी के हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना के डूबने के बाद 84 ईरानी नागरिकों के शव बरामद किए गए। यह घटना श्रीलंका के दक्षिणी तट पर गाले के पास हुई थी। यह जहाज विशाखापत्तनम से ईरान लौट रहा था। आईआरआईएस ने एक नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लिया था। शव और बचे लोग कहां लाए गए? इन शवों को बाकी बचे हुए 32 लोगों के साथ गाले के करापिटिया स्थित राष्ट्रीय अस्पताल लाया गया था। इससे पहले श्रीलंका सरकार ने कहा था कि हालात बेहतर होने तक शवों को देश में ही रखा जाएगा, ताकि बाद में उन्हें उनके देश भेजा जा सके। अस्पताल में शवों को कैसे रखा गया?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।